JANMARG news
Janmarg News Youtube Channel
जनमार्ग

केन्द्र व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

RNI Registration No. 3773 / 58
e-mail :dainikjanmarg@gmail.com
Website:- www.janmarg.com

जनमार्ग

निष्पक्ष ◆ निर्भिक ◆ सांध्य दैनिक

आज का मौसम
अधिकतम : 24
न्यूनतम : 11
हवा में नमी : 75

वर्ष : 66 ● अंक: 99 ● श्रीगंगानगर, मंगलवार, 04.03.2025, मो. 94140-87692, 77421-86692, 0154-2970692 ● मूल्य: 2 रुपये ● पृष्ठ :8

माधबी बुच पर दर्ज नहीं होगी एफआईआर

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच समेत 6 अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने के स्पेशल कोर्ट के आदेश पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने आज यानी, मंगलवार (4 मार्च) को रोक लगा दी। बुच ने स्पेशल कोर्ट के इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर जस्टिस एसजी डिगे ने सुनवाई की। हाईकोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है। सभी पक्षों को सुनने के बाद, ऐसा प्रतीत होता है कि न्यायाधीश ने डिटेल्स में जाए बिना और आवेदकों को उनकी भूमिका बताए बिना आदेश पारित कर दिया है। इसलिए, आदेश पर रोक लगा दी गई है। मुंबई के एक स्पेशल एंटी-करप्शन कोर्ट ने शनिवार (1 मार्च 2025) को शेयर फ्रॉड से जुड़े मामले में स्वद्धक्र का आदेश दिया था। यह आदेश स्पेशल जज एसई बांगर ने ठाणे बेस्ड जर्नलिस्ट सपन श्रीवास्तव की ओर से दायर याचिका पर दिया था। सपन ने स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी की लिस्टिंग में बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल फ्रॉड और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था।

राज्य सरकार किराएदारों से वसूलेगी ज्यादा शुल्क

» राजस्थान सरकार किराएदारों के लिए ला रही है नए नियम

» 10 लाख की संपत्ति होने पर 200 रुपए ही स्टाम्प ड्यूटी लगेगी

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। काम और पढ़ाई के सिलसिले में लोग अपने घर को छोड़ कर बड़े शहरों की ओर रुख करते है और किराए के मकान में रहकर रोजी-रोटी कमाते हैं। राजस्थान सरकार ने किराए पर रहने वाले लोगों के लिए नियमों में बदलाव किया है। अब एक साल से कम अवधि के लिए किराए पर ली जाने वाली संपत्ति का रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा। इसका असर उन लोगों को पर देखने को मिलेगा जो कम अवधि के लिए मकान किराए पर रहने के लिए लेते हैं। वर्तमान में किराएनामे पर 0.02 प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी है। लेकिन अब 10 लाख की संपत्ति होने पर 200 रुपए ही स्टाम्प ड्यूटी लगेगी। इसके अलावा किराएदारों का रजिस्ट्रेशन होने से नाम और पते की जानकारी मिलने से किराएदारों की पहचान भी आसानी से हो जाएगी। इस सुविधा से मकान मालिक को काफी राहत मिलेगी। ऐसे में यदि अगर किराएदार और मकान मालिक के बीच अनबन हो जाती है या फिर किसी तरह का विवाद होता है पुलिस आसानी से सभी जानकारी निकलवा सकेंगी।

विधानसभा में विधायकों का प्रतिनिधिमंडल सूरत भेजने की मांग

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा में सूरत अग्निकांड में राजस्थानियों को हुए नुकसान का मुद्दा उठा। कांग्रेस विधायक रफीक खान ने शून्यकाल में कहा कि इन व्यापारियों की सरकार को सुध लेनी चाहिए। दरअसल मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, वसुंधरा राजे ने गुजरात सरकार से व्यापारियों को मुआवजा-आर्थिक पैकेज देने की भी मांग की थी। आज विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और वन मंत्री संजय शर्मा के बीच नोकझोंक हो गई। नेता प्रतिपक्ष की टोकाटाकी से नाराज वन मंत्री ने कहा कि- आप बार-बार खड़े क्यो हो जाते हो। विधानसभा में आज विपक्ष ग्रेड थर्ड टीचर ट्रांसफर, पुराने ट्रैक्टर पर टैक्स आदि मुद्दों को भी उठा सकते हैं। कांग्रेस विधायक रफीक खान ने सूरत अग्निकांड में राजस्थान के व्यापारियों को हुए नुकसान का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार को इन व्यापारियों की सुध लेनी चाहिए।

रोड एक्सीडेंट में घायलों को फ्री इलाज इसी महीने से

जनमार्ग न्यूज

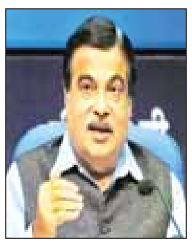

नई दिल्ली। रोड एक्सीडेंट में घायलों को इसी महीने यानी मार्च 2025 से डेढ़ लाख रुपए तक का फ्री इलाज मिलेगा। यह नियम प्राइवेट हॉस्पिटल के लिए भी अनिवार्य होगा। देशभर में इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा। एनएचएआई इसके लिए नोडल एजेंसी का काम करेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारी के मुताबिक, योजना के लिए मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 162 में पहले ही संशोधन हो चुका है। इस योजना को पूरी तरह से लागू करने से पहले बीते 5 महीनों में पुडुचेरी, असम, हरियाणा और पंजाब सहित छह राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया, जो सफल रहा। एनएचएआई ऑफिसर ने बताया कि घायल को पुलिस या कोई आम नागरिक या संस्था जैसे ही हॉस्पिटल पहुंचाएगी, उसका इलाज तुरंत शुरू हो जाएगा। इसके लिए कोई फीस भी जमा नहीं करनी होगी। घायलों के साथ चाहे परिजन हो या नहीं, हॉस्पिटल उसकी देखरेख करेंगे। प्राइवेट और सरकारी दोनों ही हॉस्पिटल को कैशलेस इलाज देना होगा।

बिजनेसमैन के घर डेढ़ करोड़ की लूट

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। जयपुर में नौकरों ने हार्डवेयर-सेनेटरी बिजनेसमैन की पत्नी को बंधक बनाकर 1.50 करोड़ के गहने लूट लिए। विरोध करने पर महिला को बदमाशों ने चाकू भी मारा है। वारदात को अंजाम देने के बाद दो नौकर और एक उनका साथी तीनों फरार हो गए। घटना सोमवार शाम 7.30 बजे के करीब विद्याधरनगर इलाके के अंबाबाड़ी में हुई। एडीसीपी (नॉर्थ) बजरंग सिंह शेखावत ने बताया- अंबाबाड़ी के रहने वाले देवेन्द्र अग्रवाल (50) की न्यू आतिश मार्केट (मानसरोवर) में हार्डवेयर-सेनेटरी की दुकान है। सोमवार को देवेंद्र सीकर गए हुए थे। बेटा शैलेश (25) दुकान पर था। घर में देवेंद्र की पत्नी ज्योति (48) अकेली थीं। शाम को घर में बने मंदिर में पूजा कर रही थीं। इस दौरान नौकर इंद्रजीत और उसके दो साथियों ने तौलिए से ज्योति का मुंह दबाकर हाथ-पैर बांध दिए। उन्होंने ज्योति को फर्श पर गिरा दिया। इंद्रजीत और अशोक ने ज्योति को धमकाया। तीसरे बदमाश राधे ने तिजोरी का लॉक तोड़कर गहने निकाल लिए। ज्योति ने विरोध किया तो उसके हाथ पर चाकू मार दिया।

हिंदुस्तान जिंक प्लांट की लिफ्ट में लगी आग

जनमार्ग न्यूज

राजसमंद। हिन्दुस्तान जिंक की राजपुरा दरीबा माइंस में आज सुबह शिफ्ट चेंज के समय आग लग गई। आग माइनिंग की लिफ्ट के एक हिस्से में अचानक लगी। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। हालांकि अभी तक किसी भी प्रकार की जनहानि की कोई जानकारी सामने नहीं आई है। घटना के बाद हिन्दुस्तान जिंक की रेस्क्यू टीम व दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। जानकारी के अनुसार जिस लिफ्ट में आग लगी उसी लिफ्ट से श्रमिकों की माइंस में आवाजाही होती है। हादसा आज सुबह करीब 7.30 बजे हुआ। माइंस प्रबंधन की ओर से घटना की जानकारी रेलमगरा पुलिस को भी दी गई। थाना इंचार्ज सोनाली शर्मा ने आसपास की फायर बिग्रेड को सूचना दी। सुबह करीब 8.20 बजे घटना स्थल पर पुलिस जाब्ता भेजा गया। इसके बाद राजपुरा दरीबा माइंस की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। आग की लपटें 2 किमी दूर से दिखाई दे रही थीं। आग के दौरान माइंस में आवाजाही बंद रही। यह प्लांट राजसमंद जिले के सिंदेसर कलां गांव में है। आग की सूचना के बाद माइंस के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने हालात का जायजा लिया। लिफ्ट को दुरुस्त करने और व्यवस्थाओं को फिर से संचालित करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। प्लांट में आग की सूचना पर कॉलोनी के लोग भी अपने-अपने घरों से बाहर आ गए।

नेशनल बैडमिंटन प्लेयर पर तलवार से हमला

जनमार्ग न्यूज

सीकर। सीकर में नेशनल बैडमिंटन प्लेयर पर पड़ोसियों ने तलवार से हमला कर दिया। हमले में खिलाड़ी की गर्दन और हाथ पर कई वार किए गए हैं। बेटे को बचाने आए पिता-दादा को भी घेरकर आरोपियों ने हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी बाप-बेटे मौके से फरार हो गया। घटना जिले के कोतवाली थाना इलाके के नानी गेट के पास की है। मंगलवार (4 मार्च) सुबह 5 बजे हुए हमले के बाद सड़क पर चारों ओर खून बिखर गया। एसएचओ सुनील कुमार जांगिड़ ने बताया कि सुबह पार्किंग की बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। इसमें एक युवक नमन शर्मा (17) तलवार के हमले से घायल हो गया। जिसका जयपुर में इलाज किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह नेशनल बैडमिंटन प्लेयर नमन शर्मा (17) के घर के सामने पार्किंग की बात को लेकर पड़ोसियों से विवाद हो गया।

विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी, मामला दर्ज

● ट्रैवल एजेंट ने युवक से 2.85 लाख रुपए लिए, वीजा नहीं दिया

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ में युवक को विदेश भेजने का झांसा देकर 2 लाख 85 हजार रुपए की धोखाधड़ी कर ली। इस मामले में जंक्शन पुलिस थाने में ट्रैवल एजेंसी संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। एसपी के आदेश पर दर्ज मामले में अब्दुल हक खां पुत्र अब्दुल रसीद खां निवासी वार्ड 15, भट्ठा कॉलोनी, जंक्शन ने बताया कि उसके बेटे शाहरुख खां की शादी राणासर चूरू में हुई है। वह अपने बेटे की पत्नी को लेने राणासर गया हुआ था। वहां पर उसे इमरान पुत्र सलुमुदीन निवासी राणासर जिला चूरू मिला। उससे बातचीत हुई तो इमरान ने उससे कहा कि वह लोगों को विदेश भेजने का काम करता है। उसकी आईशा ट्रैवल एजेंसी के नाम से बिसाऊ में बस स्टैंड के पीछे और सरदारशहर में दो जगह एजेंसी है। वह विदेश में अच्छी नौकरी और सैलरी दिलवाता है। तब उसने कहा कि उसका बेटा बेरोजगार है। उसके बेटे को विदेश जाना है। कोई अच्छी कम्पनी का वीजा आए तो वह उसे बताए। उसने अपना मोबाइल नंबर इमरान को दे दिए। 12 जुलाई 2023 को इमरान हनुमानगढ़ आया हुआ था। उसने उसे कॉल किया कि यूरोप में माल्टा कम्पनी में अच्छी सैलरी है। उसके पास वीजा आ गए हैं। इस पर उसने इमरान को अपने घर बुला लिया। अपने बेटे का पासपोर्ट और 90 हजार रुपए का चेक 19 जुलाई 2023 को इमरान को दे दिया। 60 हजार रुपए नकद दे दिए। इमरान ने कहा कि वीजा के 6 लाख रुपए लगेंगे। तब उसने इमरान को कहा कि शेष रुपए वीजा आने पर उसे बाद में दे देगा। उसके बाद 28 अगस्त 2023 को उसके पास इमरान की कॉल आई कि आपका काम हो जाएगा। वह जल्दी से पैसे भेजे। तब उसने उसी दिन 65 हजार रुपए इमरान को फोन पे के जरिए भेज दिए।

अमेरिका ने यूक्रेन की सभी सैन्य मदद रोकी

जनमार्ग न्यूज

वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच बहस के 3 दिन बाद अमेरिका ने यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य मदद रोकने का ऐलान किया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है। ऐसी मदद जो अमेरिका से अभी तक यूक्रेन नहीं पहुंची है, उसे भी रोक दिया गया है। इसमें पोलैंड तक पहुंच चुका सामान भी शामिल है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के अनुसार रोकी गई मदद तब तक बहाल नहीं की जाएगी, जब तक राष्ट्रपति ट्रम्प को यह यकीन नहीं हो जाता कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वास्तव में शांति चाहते हैं। जेलेंस्की की सैन्य मदद रोकने से कुछ घंटे पहले ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।

आपसी कहासुनी के बाद छोटे भाई की हत्या

जनमार्ग न्यूज

टोडाभीम। आपसी कहासुनी के बाद बड़े भाई ने धारदार हथियार से हमला कर छोटे भाई की हत्या कर दी। आरोपियों ने गर्भवती बहू को भी नहीं बख्शा, चाकू के वार से बेटा भी बुरी तरह घायल हो गया। वारदात में घर का आंगन खून से लाल हो गया। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को पकड़ा है। तीन आरोपियों की तलाश की जा रही है। यह घटना टोडाभीम (करौली) के करीरी गांव में सोमवार रात करीब 8 बजे हुई। टोडाभीम एसएचओ कैलाश चंद मीणा ने बताया कि करीरी गांव में भैरव माता मंदिर के पास घटना हुई। विजय (56) के घर में घुसकर उसके बड़े भाई कल्लू (60) और उसके परिवार ने हमला कर दिया। धारदार हथियारों से किए गए हमले और मारपीट में विजय (56) गंभीर रूप से घायल हो गया। वह लहूलुहान हालत में बेसुध परिवार के सामने तड़पता रहा। आरोपियों ने 6 महीने की गर्भवती बहू अनिता (25) पर भी जानलेवा हमला किया, जिससे बचने के प्रयास में उसका होंठ कट गया। वहीं, विजय के बेटे ऋषिकेश (27) को गंभीर चोटें आई।

राजस्थान के सरकारी स्कूलों में लागू होगा अध्यापकों का ड्रेस कोड

● राज्य सरकार कवायद में जुटी ● विद्यालयों के अनुशासन में सुधार के प्रयास

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। अगर सब कुछ सही रहा तो नवीन शिक्षा सत्र से राजकीय स्कूलों में शिक्षक ड्रेस कोड में नजर आएंगे। क्योंकि राज्य सरकार प्रदेश के स्कूलों में ड्रेस कोड लागू करने जा रहा है। जिसको लेकर तैयारियां भी प्रारंभ हो गई हैं। यदि यह नियम लागू हुआ तो ड्रेस कोड लागू करने वाला राजस्थान असम और महाराष्ट्र के बाद देश का तीसरा राज्य बन जाएगा। राज्य के स्कूलों में पॉजीटिव माहौल बनाने के लिए भजनलाल सरकार अब सरकारी स्कूलों में बड़ा बदलाव करने की तैयारी कर रही है। सब ठीक हुआ तो जल्द ही सरकारी स्कूलों में शिक्षक ड्रेस कोड में दिखाई देंगे। इसको लेकर राजस्थान सरकार कवायद में जुटी हुई है। शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का भी मानना है कि ड्रेस कोड लागू होने से विद्यालयों में अनुशासन में सुधार तो होगा ही बल्कि शिक्षक और विद्यार्थी के बीच विश्वास और प्रेरणादायक माहौल भी तैयार होगा। स्कूलों में शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड लागू करने के संकेत खुद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर दे चुके हैं। उन्होंने एक समारोह में कहा था कि स्कूल में बेहतर एजुकेशन माहौल बनाने के लिए पॉजिटिव सोच होनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने भी स्कूली टीचर्स को सादे कपड़ों में स्कूल आने की नसीहत दी थी। उनका मानना है कि इससे बच्चों के मन में पॉजिटिव इफेक्ट पड़ता है। तब से ही राज्य में शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड के कायस लगाए जाने लगे थेए जो अब पूर्ण होता हुआ दिख रहा है। देश के पूर्वी राज्य असम में अगस्त 2023 में शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड लागू किया गया था। इस दौरान पुरुष शिक्षकों को फॉर्मल शर्ट, ट्राउजर, धोती या पायजामा पहनना अनिवार्य किया गया। वहीं महिला शिक्षकों को साड़ी, सलवार-सूट या पारंपरिक वस्त्र पहनने की अनुमति दी गई। देश के सबसे बड़े राज्यों में से महाराष्ट्र में पिछले वर्ष 2024 में ही ड्रेस कोड लागू किया गया। यहां शिक्षकों को टी-शर्ट, जींस और डिजाइनर कपड़े पहनने की अनुमति नहीं है। बल्कि महिला शिक्षकों को साड़ी या सलवार-कुर्ता और पुरुष शिक्षकों को फॉर्मल शर्ट और पैंट पहनने को कहा गया।

आरयूएचएस में वीसी नियुक्ति का विरोध, राज्यपाल को लिखा पत्र

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एंड साइंसेज (आरयूएचएस) में वाइस चांसलर (वीसी) के पद पर हुई डॉ. प्रमोद येवले की नियुक्ति का विरोध शुरू हो गया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की राजस्थान ब्रांच ने आज फिर से राज्यपाल को पत्र लिखकर इस निर्णय पर आपत्ति जताते हुए इस पर पुनर्विचार करने की मांग की है। पुनर्विचार नहीं करने पर आईएमए ने भविष्य में आंदोलन की चेतावनी दी है। आईएमए राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. एमपी शर्मा और सचिव डॉ. पीसी गर्ग की ओर से लिखे गए इस पत्र में बताया कि वीसी के पद पर गैर चिकित्सक की नियुक्ति को लेकर पूरे चिकित्सा समुदाय में रोष है। इस नियुक्ति को न केवल मेडिकल शिक्षा के मूल सिद्धांतों के खिलाफ बताया, बल्कि चिकित्सा जगत के पेशेवरों के अधिकारों का हनन भी बताया। उन्होंने बताया कि राज्यों में मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना इसलिए की गई थी, ताकि उनके अंतर्गत मेडिकल कॉलेजों को जोड़ा जा सके। जब से राज्यों में मेडिकल यूनिवर्सिटी बनी है, तब से वहां डॉक्टर जिसके पास एबीबीएस, एमडी, एमसीएच या वीसी की मेडिकल संबंधित उच्च शिक्षा की डिग्री है, उन्हें ही वीसी बनाया गया है।

सम्पादकीय

जोखिम का पहाड़?

पड़ गई है आदत

सवाल है कि जिस नेता को मुफ्त सुविधाओं पर आपत्ति है, क्या वे देश की अन्य पार्टियों के साथ-साथ अपनी पार्टी के सामने ईमानदारी से यह सवाल रख सकेंगे कि वे चुनावों में जीत के लिए मुफ्त की सौगात की लोकलुभावन घोषणाएं क्यों करती हैं? पिछले कुछ समय से ऐसा लगता है कि जो नेता आम लोगों के समर्थन से राजनीति, सत्ता और तंत्र में अपनी जगह बनाते हैं, वे बाद में किसी समस्या के लिए, जनता को ही कठघरे में खड़ा करना शुरू कर देते हैं। आए दिन अलग-अलग पार्टियों से जुड़े नेता बिना सोचे-समझे ऐसे बयान दे देते हैं, जो कई लिहाज से आपत्तिजनक होता है। पद या सत्ता का सुरक्षित घेरा मिल जाने के बाद आम लोगों की अहमियत को नकार देना और दुखी या अपमानित करने वाले बयान देना एक बड़ी राजनीतिक विडंबना है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि लोगों को मांगने की आदत पड़ गई है, अब तो वे सरकार से भीख मांगने के भी आदी होने लगे हैं। खबरों के मुताबिक, उन्होंने यह भी कहा कि हमेशा लेने के बजाय देने की मानसिकता विकसित करें। संबंधित मंत्री का इस तरह का बयान वैसे समय में आया है, जब देश भर में सरकारों द्वारा जनता को दी जाने वाली मुफ्त की सौगातों की होड़ बहस के घेरे में है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि चुनावी जीत हासिल करने के लिए सरकार बनने पर कई तरह की सुविधाएं और सेवाएं मुफ्त मुहैया कराने का आखिर क्या औचित्य है! सवाल है कि जिस नेता को मुफ्त सुविधाओं पर आपत्ति है, क्या वे देश की अन्य पार्टियों के साथ-साथ अपनी पार्टी के सामने ईमानदारी से यह सवाल रख सकेंगे कि वे चुनावों में जीत के लिए मुफ्त की सौगात की लोकलुभावन घोषणाएं क्यों करती हैं? जनता आज अगर सरकारों की ओर से कोई चीज या सेवा मुफ्त में मिलने की उम्मीद करने लगी है, तो इसके पीछे मुख्य कारण यही है कि बीते कुछ वर्षों से चुनावी जीत के लिए नेताओं के मुफ्त की सौगात देने के वादे हैं। ऐसे में केवल जनता पर सवाल उठाने के बजाय जरूरत है कि नेता अपनी और पार्टियों की ओर झांकें, जो जनता को रोजगार देने या उन्हें सक्षम बनाने की वकालत करने के बजाय मुफ्त सुविधाएं और तोहफे देने की होड़ में लगी हैं।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना अधूरा

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित वर्ष 2024 के लिए हाल ही में जारी भ्रष्ट देशों की सूची बताती है कि भ्रष्टाचार मुक्त भारत सपना ही बना हुआ है। इस सूची में शामिल 180 देशों में भ्रष्टाचार के मामले में भारत 38 अंकों के साथ 96 वें स्थान पर है, जबकि साल 2023 में भारत 39 अंकों के साथ 93 वें स्थान पर था। दरअसल जिस देश को सीपीआई में ज्यादा अंक मिलते हैं, वहां भ्रष्टाचार कम माना जाता है। घटते अंक ज्यादा भ्रष्टाचार का प्रमाण होते हैं, जिनके साथ-साथ सूचकांक में देश की रैंकिंग भी बढ़ती जाती है। हमारे देश में भ्रष्टाचार अक्सर राजनीतिक मुद्दा बन कर रह जाता है, जबकि इसके खिलाफ एक्शन की जरूरत है।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के वायदे वफा होते नजर नहीं आते। दुनिया भर में भ्रष्टाचार के विरुद्ध काम करनेवाली गैर सरकारी संस्था ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की नयी रिपोर्ट बताती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिये गये नारे कि 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' के बावजूद भारत में भ्रष्टाचार बेलगाम है। कारोबारियों के साथ-साथ राजनेताओं और नौकरशाहों के यहां से भी छापों में भारी नकदी की बरामदगी का अर्थ यही है कि खाने-खिलाने का सिलसिला बंद तो नहीं हुआ है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित वर्ष 2024 के लिए हाल ही में जारी भ्रष्ट देशों की सूची बताती है कि भ्रष्टाचार मुक्त भारत सपना ही बना हुआ है। इस सूची में शामिल 180 देशों में भ्रष्टाचार के मामले में भारत 38 अंकों के साथ 96 वें स्थान पर है, जबकि साल 2023 में भारत 39 अंकों के साथ 93 वें स्थान पर था। दरअसल जिस देश को सीपीआई में ज्यादा अंक मिलते हैं, वहां भ्रष्टाचार कम माना जाता है। घटते अंक ज्यादा भ्रष्टाचार का प्रमाण होते हैं, जिनके साथ-साथ सूचकांक में देश की रैंकिंग भी बढ़ती जाती है। हमारे देश में भ्रष्टाचार अक्सर राजनीतिक मुद्दा बन कर रह जाता है। इसलिए यह जानना भी जरूरी है कि वर्तमान मोदी सरकार और पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सरकार के शासनकाल में भ्रष्टाचार के मोर्चे पर भारत का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से कैसा रहा।

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा हर साल जारी की जानेवाली भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक आधारित 180 देशों की सूची बताती है कि पिछले दस सालों में भारत में भ्रष्टाचार बढ़ा है। पिछले दस सालों में इस सूची में भारत ने सबसे बेहतर प्रदर्शन साल 2015 में किया था, जब उसे रैंकिंग में 76 वां स्थान हासिल हुआ था। वैसे साल 2006 और 2007 में भारत क्रमशः 70 वें और 72 वें स्थान पर भी रहा यानि दोनों ही सरकारों के आरंभकाल में भ्रष्टाचार कम होता नजर आया, पर फिर बेलगाम हो गया। हमारा पड़ोसी और प्रतिद्वंद्वी देश चीन 43 अंकों के साथ 76 वें स्थान पर बना हुआ है। हमारे नीति-नियंता इस बात पर संतोष जता सकते हैं कि पड़ोसी देशों में पाकिस्तान की रैंकिंग हमसे भी खराब है। साल 2023 में पाकिस्तान 29 अंकों के साथ 113 वें स्थान पर था, लेकिन बीते साल वह 27 अंकों के साथ 135 वें स्थान पर पहुंच गया। इस सूची में श्रीलंका और बांग्लादेश की रैंकिंग बता कर भी हमारे सत्ताधीश अपनी पीठ थपथपा सकते हैं। बीते साल इस सूची में श्रीलंका 121 वें और बांग्लादेश 149 वें स्थान पर है, लेकिन हमारे पड़ोस में तो छोटा-सा देश भूटान भी है। भ्रष्ट देशों की रैंकिंग में 18 वें नंबर पर रहा भूटान दुनिया के खुशहाल देशों में भी गिना जाता है। जाहिर है, वायदों और दावों के विपरीत वास्तविकता हमारी व्यवस्था और मानसिकता पर सवाल खड़े करती है, जिसके जवाब खोजे बिना हम विश्व की तीव्र वृद्धिवाली अर्थव्यवस्था भले बन जायें, बेहतर देश नहीं बन पायेंगे। आर्थिक प्रगति में आंकड़ों के महत्व से इनकार नहीं है, लेकिन राष्ट्र की असली प्रगति समाज के सर्वांगीण विकास और खुशहाली में होती है।

लगभग 80 करोड़ लोगों को प्रति माह पांच किलो राशन मुफ्त देने की जरूरत देश की खुशहाली का प्रमाण तो हरगिज नहीं। बढ़ती बेरोजगारी तथा शिक्षा-स्वास्थ्य

की बदहाल व्यवस्था भी वास्तविक विकास के दावों पर सवालिया निशान है। इसलिए हमें आंकड़ों आधारित आर्थिक प्रगति पर आत्ममुग्धता से उबर कर भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक पर आधारित इस सूची में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करनेवाले देशों से जरूरी सबक भी सीखने की जरूरत है। 90 अंकों के साथ डेनमार्क इस सूची में सबसे ऊपर है, जिसका अर्थ है कि वहां नाममात्र का ही भ्रष्टाचार है। 88 अंकों के साथ फिनलैंड इस सूची में दूसरे स्थान पर है, जिसे विश्व का सबसे खुशहाल देश भी माना जाता है। 84 अंकों के साथ सिंगापुर तीसरे, 83 अंकों के साथ न्यूजीलैंड चौथे और 81 अंकों के साथ लग्जमबर्ग पांचवें स्थान पर है।

महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि अब विदेश में बसने के इच्छुक भारतीय इन छोटे देशों को भी अपना गंतव्य बनाने लगे हैं। क्या यह बात का संकेतक नहीं कि ये देश उन्हें हर दृष्टि से बेहतर जीवन का विकल्प नजर आते हैं? विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र और पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था भारत अपने नागरिकों का जीवन स्तर और बेहतर क्यों नहीं बना सकता? बेशक सबसे भ्रष्ट देशों की सूची पर नजर डालना भी जरूरी है। आठ अंकों के साथ दक्षिण सूडान 180 देशों में सबसे भ्रष्ट देश है, जबकि सोमालिया और वेनेजुएला नौ और 10 अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे भ्रष्ट देश हैं। उनके बाद सीरिया, लीबिया, इरिट्रिया, यमन और इक्वेटोरिल गिनी का नंबर आता है। वैसे इस सूची में रूस, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे प्रभावशाली देश क्रमशः 154, 28, 25, 20 और 15 वें स्थान पर हैं।

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के मुताबिक टॉप स्कोरवाले क्षेत्र यूरोपीय संघ और पश्चिमी यूरोप रहते थे, लेकिन लगातार दूसरे साल उनके प्रदर्शन में गिरावट हुई है, जिसका अर्थ है कि उनके नेता जनता की भलाई के बजाय व्यापारिक हितों के लिए काम कर रहे हैं। वहां कानूनों का गलत तरीके से पालन किया जा रहा है। दरअसल जब नेता ही जनता के बजाय पूंजीपतियों के व्यापारिक हितों के लिए काम करने लगते हैं तो नौकरशाही को भ्रष्टाचार का लाइसेंस-सा मिल जाता है। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक पर आधारित इस सूची की प्रक्रिया भी समझना जरूरी है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के विशेषज्ञ हर देश के सार्वजनिक क्षेत्र यानि पब्लिक सेक्टर में भ्रष्टाचार का आकलन करते हैं। इसके आधार पर देशों को शून्य से 100 के बीच अंक दिये जाते हैं। कम स्कोर का अर्थ ज्यादा भ्रष्टाचार होता है, जबकि ज्यादा अंकों का अर्थ कम भ्रष्टाचार। इसी आधार पर देशों की रैंकिंग तय होती है। भारत समेत विश्व में जबसे राजनीति और कॉरपोरेट का गठजोड़ पुख्ता हुआ है, सरकार में भ्रष्टाचार की जड़ें और गहरी हुई हैं। आम सरकारी व्यवस्था में करप्शन के साथ नीतिगत भ्रष्टाचार ने प्रशासनिक तंत्र को और कुरूप बनाया है।

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल का तो मानना है कि बढ़ता भ्रष्टाचार जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने में भी बड़ी बाधक बन रहा है। सीपीआई की यह रिपोर्ट बताती है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अरबों डॉलर आवंटित किये जाते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार के चलते उस धन के दुरुपयोग का खतरा बढ़ रहा है, जो स्वाभाविक ही जन जीवन को भी खतरे में डाल रहा है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के मुखिया फ्रेंकोइस वेलेरियन कहते हैं कि भ्रष्टाचार एक उभरता हुआ वैश्विक खतरा है, जो विकास को रोकता है। साथ ही यह लोकतंत्र में गिरावट, अस्थिरता और मानवाधिकारों के उल्लंघन को भी बढ़ाता है। कहना नहीं होगा कि ज्यादा भ्रष्टाचारवाले देश इन तमाम खतरों से रूबरू हैं। यह भी कि इन खतरों से निपटे बिना देश और समाज के सर्वांगीण विकास के दावे संदेह और सवालों में ही घिरे रहेंगे।

रेणु : हिन्दी में आंचलिक उपन्यासों के जनक

हिन्दी के अप्रतिम कथाकार फणीश्वरनाथ 'रेणु' को आज की तारीख में खास तौर पर इसके लिए याद किया जाता है कि उन्होंने 1954 में 'मैला आंचल' के रूप में हिन्दी को उसका पहला आंचलिक उपन्यास दिया और आंचलिकता को उसकी मुख्यधारा बनाया। लेकिन उनके द्वारा इससे पहले देश के स्वतंत्रता संग्राम और 1950-51 की नेपाल की क्रांति में स्वतंत्रता सेनानी व क्रांतिकारी के रूप में दिया गया योगदान भी भुलाने लायक नहीं ही है। यह भी कि यावत्जीवन दमन-शोषण व उत्पीड़न के विरुद्ध लड़ते-लड़ते वे सोशलिस्ट पार्टी में सक्रिय होकर उसकी चुनावी राजनीति से होकर भी गुजरे। 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश पर इमर्जेंसी थोपी तो उसके विरोध में उन्होंने अपनी 'पद्मश्री' को 'पापश्री' कहकर वापस

लौटा दिया था। बंगाल में रहकर धान की खेती करने वाली धानुक जाति के किसान शिलानाथ मंडल (जिनके पुरखे भारत-नेपाल सीमा पर स्थित बिहार के अररिया जिले के औराही हिंगना गांव में आ बसे थे) के घर 1921 में आज के ही दिन रेणु का जन्म हुआ तो उनका नाम फणींद्रनाथ रखा गया था और परिजनों द्वारा दुलार से उन्हें फनिंदर व फुनेसर भी कहा जाता था। लेकिन चूंकि उनके जन्म के वक्त उनका धनवैभवसम्पन्न परिवार ऐसे दुर्दिन में जा फंसा था कि उसे पहली बार ऋण (स्थानीय बोली में रिन) लेना पड़ गया था, इसलिए दादी उन्हें 'रेनुआ' कहती थीं, जो बदलते-बदलते पहले रेनू फिर रेणु हो गया। आगे चलकर वे फणीश्वरनाथ 'रेणु' नाम से कथाकार बने तो पूरे जीवन इस परिवेश से हासिल अनुभवों को ही अपने सृजन का आधार बनाते रहे। एक बार उन्होंने अपने गांव आये एक कथाकार को बताया था : धान की जितनी अच्छी फसल इस साल है, वैसी हो तो खेती करने में भी कविता करने का-सा आनंद आता है।...मेरे विचार से तो अभी एक बीघा खेत में खेती कर लेना पांच लेख और पांच कहानियाँ लिखने से ज्यादा फायदेमंद और एक एकड़ खेत में धान उपजाना, उपन्यास लिखने जैसे ही आनंद का बायस है। हिंदी में न तब कोई ऐसा साहित्यकार था, न आज है, जो खेती-किसानी से अपने जुड़ाव के बूते ऐसी बात कह सकता हो। स्वाभाविक ही, उनका कथा साहित्य पाठकों को उनके अंचल के किसान जीवन के रागों व रंगों से ही नहीं, खट्टी-मीठी सच्चाइयों से भी जोड़ता है। इसीलिए आलोचक कहते हैं कि उनके साहित्यकार की रग-रग में किसानी का रंग समाया था। जैसे जीवट से किसान अपनी फसलों की दुनिया रचता है, वैसे ही वे साहित्य की दुनिया रचा करते थे। वे पटना में रहते रहे हों, दिल्ली अथवा मुंबई में, ग्रामीण जीवन के प्रति बेकली और उसकी स्मृतियों से कभी मुक्त नहीं हो पाये। उन्होंने लिखा भी है: मैं हर दूसरे या तीसरे महीने शहर से भागकर अपने गांव जाता हूं, जहां घुटने से ऊपर धोती या तहमद उठाकर, फटी गंजी पहने, गांव की गलियों में, खेतों-मैदानों में घूमता रहता हूं। मुखौटा उतारकर ताजा हवा अपने रोगग्रस्त फेफड़ों में भरता हूं। सूरज की आंच में अंग-प्रत्यंग को सेंकता हूं।... झमाझम बरखा में दौड़-दौड़कर नहाता हूं। कमर भर कीचड़ में घुसकर पुरइन (कमल) और कोका (कोकनद) के फूल लोढ़ता हूं। उनके गंवई व्यक्तित्व में ऐसी आत्मीयता थी कि वे अपरिचित को परिचित और परिचित को अपना बना लेते और छोटे-बड़े का भेद मिटा देते थे। इसीलिए उनको तीन पीढ़ियों को जोड़ने वाला सेतु कहा जाता है। वे ऐसे ऐक्टिविस्ट कथाकार थे, जिसे शिल्प की नवीनता, संवेदनात्मक विस्तार और विवेकपरकता से समझौता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं था। उन्होंने लोकप्रियता के शिखर भले ही कथाकार के रूप में छुए, साहित्य की दूसरी विधाओं को भी कुछ कम समृद्ध नहीं किया। अपने अनूठे रिपोर्ताजों के जरिए पत्रकारिता की भी कुछ कम श्रीवृद्धि नहीं की। बिहार की राजनीति, समाज-संस्कृति आदि को लेकर पत्र पत्रिकाओं के लिए स्तंभ लेखन भी किया। जैसे उनका कथा साहित्य, वैसे ही कविताएं भी उनकी स्मृतियों का ही दस्तावेज हैं। इनमें 'मेरा मीत सनीचर' कविता में कभी उनका सहपाठी रहार सनीचर जीवन के तमाम उतार-चढ़ावों के बाद एक दिन अचानक ट्रेन मे उनसे मिलता है तो दावे के साथ हांक-सी लगाता है: 'अरे, फनीसरा, अब क्यों तू हम सबको पहचानेगा?' सुविदित है कि बीमारी के कारण उन्हें लम्बे समय तक अस्पताल में रहने के दौरान ही उन्हें अपनी सेवा-सुश्रूषा में लगी नर्स लतिका देवी से प्यार हुआ, जो उनके तीसरे विवाह तक जा पहुंचा।

पांचो तत्वों को मिला है देवता का दर्जा

प्रदूषण की विनाशलीला को देखते हुए भारतीय ऋषियों ने कदम-कदम पर मानव को सजग किया है। चूंकि मनुष्य पंचमहाभूतों का समन्वय रूप है इसलिए सबसे पहले आध्यात्मिक महापुरुषों ने इसे जन्म से लेकर मृत्यु तक के अलग-अलग संस्कारों के साथ जोड़ दिया, ताकि मां के गर्भ में आने से लेकर सौ वर्ष तक वह अदैन्य भाव में जी सके। सबसे पहले भारतीय ऋषियों ने वसुधैव कुटुंबकम् की जो परिकल्पना की, उसमें नख से लेकर शिख तक पूरा शरीर एक वसुधा (धरती) के समान है। शरीर के किसी भी हिस्से में तकलीफ है तो यह शरीर रूपी विश्व को प्रभावित करेगी। इसके अलावा मनुष्य के जीने के जितने भी स्नेत हैं, वे सभी कुटुंब के सदस्यों की तरह हैं। जिसे 'क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, पंच रचित यह अधम शरीरा' से समझा जा सकता है। शरीर का आंतरिक हिस्सा चूंकि अधम है इसलिए वाह्य प्रकृति से उत्तमोत्तम पदार्थ ग्रहण कर उसके स्वरूप को और अधिक विकृत होने से बचाया जाना नितांत जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश सबको देवता का दर्जा दिया गया। द्वापर युग के महानायक भगवान श्रीकृष्ण का पूरा जीवन ही प्रदूषण के खिलाफ संघर्ष और जन जागरण का है। उम्र की परवाह न कर वह यमुना के प्रदूषित तत्व कालिया नाग का वध, प्रदूषित अग्नि लगाने वाले प्रलंबासुर का वध, अंतरिक्ष को शुद्ध करने के लिए व्योमासुर का वध, धरती की शुद्धता के लिए गो पालन करते हैं। त्रेता युग में रावण ने भी खर और दूषण नामक पर्यावरण-शत्रु तैनात किया था।

गरीब विद्वान व राजा भोज, बने भाई-भाई

कई वर्ष पहले धार में राजा भोज का शासन था। उस राज्य में एक गरीब विद्वान रहता था। आर्थिक तंगी से घबराकर एक दिन विद्वान की पत्नी ने उससे कहा-आप राजा भोज के पास क्यों नहीं जाते? वह विद्वानों का बड़ा आदर करते हैं। हो सकता है आपकी विद्वता से प्रभावित होकर वह आपको ढेर सारा धन दे दें। विद्वान राजा के दरबार में पहुंचा। पहरेदार ने पूछाः आप कौन हैं? कहां जाना है? विद्वान ने कहाः जाओ राजा से कहो कि उनका भाई आया है। पहरेदार ने जब भोज को यह बात बताई तो.. वह सोचने लगेः मेरा तो कोई भाई नहीं है फिर कौन हो सकता है। कहीं कोई धूर्त तो नहीं। उनकी उत्सुकता जागी। उन्होंने विद्वान को बुलवा लिया। 'कैसे हुए भाई-भाई' भोज ने विद्वान से पूछाः क्या तुम मेरे भाई हो? किस नाते से? विद्वान ने कहाः मैं आपका मौसेरा भाई हूं। आपकी मौसी का लड़का। भोज ने पूछाः कैसे? मेरी तो कोई मौसी नहीं है। विद्वान बोलाः महाराज। आप संपत्ति माता के पुत्र हैं और मैं विपत्ति माता का पुत्र। संपत्ति और विपत्ति बहनें हैं। इस नाते मैं आपका मौसेरा भाई हुआ न। यह सुनकर भोज बेहद प्रसन्न हुए। उन्होंने ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं विद्वान को दीं। फिर भोज ने पूछाः मेरी मौसी तो कुशल हैं न? इस पर विद्वान ने जवाब दियाः राजन्, जब तक आपकी मौसी जीवित थीं, आपके दर्शन नहीं हुए थे। अब आपके दर्शन हुए तो आपकी मौसी स्वर्ग सिधार गईं। इस उत्तर से भोज को और भी प्रसन्नता हुई। उन्होंने विद्वान को गले से लगा लिया।

लाइसेंस रिन्यू कराने के लिए मिलती है ग्रेस अवधि

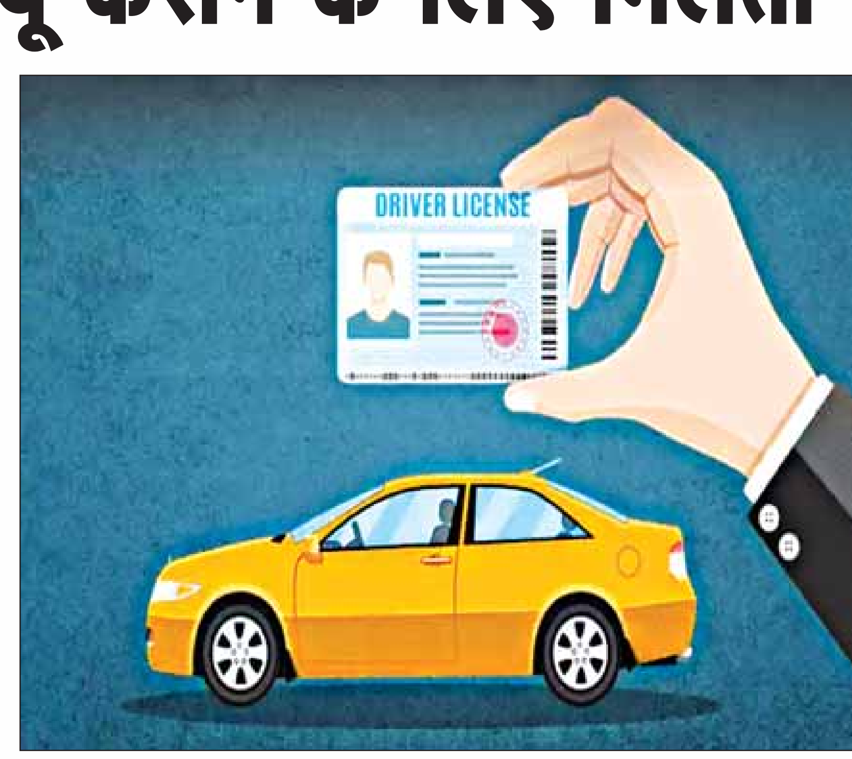

बहुत से काम ऐसे हैं, जिन्हें करने से पहले हमें पहले अपनी काबिलियत साबित करनी होती है। भारत सरकार से उसकी परमिशन लेनी पड़ती है। ड्राइविंग लाइसेंस उनमें से एक है। इसे बनवाने की उम्र निर्धारित है। इसके लिए ड्राइविंग टेस्ट देना पड़ता है। इस टेस्ट में पास होने के बाद ही सरकार वाहन चलाने की परमिशन देती है। मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 के मुताबिक, ड्राइविंग लाइसेंस की एक वेलिडिटी होती है। इसके बाद उसे रिन्यू करवाना पड़ता है। रिन्यू न कराने पर जुर्माना भी देना पड़ता है। इसके अलावा ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े कई सवाल लोगों के मन में होते हैं, जैसेकि लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया, जरूरी दस्तावेज, फीस, वैधता वगैरह-वगैरह। ड्राइविंग लाइसेंस एक ऑफिशियल डॉक्यूमेंट होता है, जो किसी व्यक्ति को वाहन चलाने की कानूनी अनुमति देता है। मोटर वाहन एक्ट, 1988 के मुताबिक, वाहन चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है। इसमें लाइसेंस धारक की तस्वीर और एक यूनीक रजिस्ट्रेशन नंबर होता है। ड्राइविंग लाइसेंस के कई प्रकार होते हैं। सबसे पहले लर्निंग लाइसेंस बनता है, जो ड्राइविंग सीखने के लिए मिलता है। रोड टेस्ट पास करने के बाद परमानेंट लाइसेंस जारी किया जाता है। कॉमर्शियल वाहनों जैसे ट्रक, बस आदि चलाने के लिए कॉमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस इश्यू किया जाता है। आप जिस राज्य में रहते हैं, उसके क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण या क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा इसे जारी किया जाता है। इसके लिए आपको एक लिखित परीक्षा और रोड टेस्ट की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 के मुताबिक, ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए वैध उम्र 18 साल है। हालांकि इस एक्ट में कुछ ऐसे प्रावधान हैं, जिनके तहत 16 साल की उम्र के बाद भी ड्राइविंग लाइसेंस बन सकता है। अगर कोई 16 साल की उम्र के बाद ड्राइविंग लाइसेंस लेना चाहता है तो उसे पहले माता-पिता या अभिभावक की लिखित अनुमति लेनी होगी। इस लाइसेंस के जारी होने के बाद वह गियरलेस स्कूटी या 50 सीसी (क्यूबिक कैपेसिटी) तक की इंजन क्षमता वाले दोपहिया वाहन ही चला सकता है। 18 साल की उम्र होने के बाद इस लाइसेंस को अपडेट करवाना पड़ता है। इस ड्राइविंग लाइसेंस को बनवाने की प्रक्रिया सामान्य ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की तरह ही है। इसके लिए सबसे पहले परिवहन विभाग की वेबसाइट या नजदीकी ऋञ्झह कार्यालय में जाकर आवेदन करना होता है। इसके लिए एक तय फीस देनी होती है। इसके बाद आपको लर्निंग लाइसेंस टेस्ट की लिखित परीक्षा देनी होती है। इस परीक्षा में साइन बोर्ड्स, ट्रैफिक रूल्स और सुरक्षित ड्राइविंग से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। लर्निंग लाइसेंस मिलने के 6 महीने के भीतर ड्राइविंग टेस्ट देना होता है। इस टेस्ट में आपको परफेक्ट ड्राइविंग स्किल दिखानी होती है। जैसेकि सीधी लाइन में गाड़ी चलाना, मुड़ना, पार्किंग, रिवर्स ड्राइविंग। इन दोनों टेस्ट को पास करने के बाद ही आरटीओ द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया जाता है। मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 के मुताबिक, ड्राइविंग लाइसेंस जारी होने की तारीख से 20 साल तक या धारक की उम्र 40 साल (जो भी पहले पूरी हो) तक वैध होता है। 40 साल की उम्र के बाद ड्राइविंग लाइसेंस 10 साल के लिए जारी किया जाता है और फिर हर 5 साल में इसे रिन्यू कराना होता है। ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता समाप्त होने के 1 साल के भीतर रिन्यू के लिए ड्राइविंग टेस्ट देना होता है। यह टेस्ट यह सुनिश्चित करता है कि आवेदक सुरक्षित रूप से वाहन चला सकता है या नहीं। अगर किसी ने एक साल तक अपना ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यू नहीं करवाया है तो उसका लाइसेंस कैंसिल हो जाएगा। ऐसी स्थिति में दोबारा नया लाइसेंस बनवाना पड़ेगा। ड्राइविंग लाइसेंस एक्सपायर होने के बाद भी वह 30 दिन तक वैलिड रहता है। इस बीच धारक को अपना ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यू कराने के लिए कोई फीस नहीं देनी पड़ती है। 30 दिनों के बाद रिन्यू कराने पर जुर्माना लगता है। ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यू कराने के लिए कुछ डॉक्यूमेंट अनिवार्य हैं। ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यू कराने के लिए कुछ निर्धारित फीस देनी पड़ती है। यह फीस मोटर व्हीकल एक्ट और ऋञ्झह के नियमों के अनुसार अलग-अलग तय होती है। उदाहरण के लिए अगर आप मध्य प्रदेश में रहते हैं तो ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यू कराने के लिए 200 रुपए फीस देनी होगी। अगर ग्रेस अवधि के बाद देरी से आवेदन किया जाता है तो 300 रुपए अतिरिक्त चार्ज देना पड़ेगा। वहीं एक्सपायरी डेट निकलने के बाद दोबारा आवेदन करना होगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की वेबसाइट पर जाकर आप ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता चेक कर सकते हैं। इसके लिए इन स्टेप्स को फॉलो करें। सबसे पहले परिवहन सेवा की वेबसाइट के होमपेज पर जाएं। इसके बाद 'ऑनलाइन सेवाएं' के ऑप्शन पर क्लिक करें। फिर 'ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़ी सेवाएं' चुनें। इसके बाद ड्रॉप-डाउन मेनू से ड्राइविंग लाइसेंस की वेलिडिटी चेक कर सकते हैं। इसके लिए ड्राइविंग लाइसेंस नंबर और जन्मतिथि दर्ज करें। आखिर में वेबसाइट पर ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़ी डिटेल आ जाएगी। इसके अलावा ड्राइविंग लाइसेंस वैलिड है या नहीं, यह देखने के लिए 'एम-परिवहन' मोबाइल एप्लिकेशन भी डाउनलोड कर सकते हैं। इस एप में ड्राइवर का लाइसेंस नंबर और जन्मतिथि दर्ज करें। इसके बाद एप्लिकेशन लाइसेंस से जुड़ी डिटेल दिखाएगा। जिसमें यह भी पता लग जाएगा कि यह कितने समय के लिए वैलिड है। वैसे आजकल तो लाइसेंस इश्यू हो रहे हैं, उन पर लाइसेंस जारी करने की तारीख और उसकी एक्सपायरी डेट दोनों लिखे होते हैं।

जनमार्ग
सिटी न्यूज
JANMARG news
श्रीगंगानगर, मंगलवार, 04 मार्च 2025
» रायसिंहनगर » गजसिंहपुर » सादुलशहर » अनूपगढ़ » रामसिंहपुर » जैतसर » पक्कासहारणा » केसरीसिंहपुर » पदमपुर » लालगढ़ » मांझूवास » फकीरवाली » श्रीबिजयनगर

पीले चावल देकर थोड़ी कहा था कि कनक बोओ : मुख्य अभियंता

भाखड़ा नहर में 1250 क्यूसेक पानी देने की मांग को लेकर किसानों का प्रदर्शन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। भाखड़ा नहर में 1250 क्यूसेक पानी देने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में सैकड़ों किसान सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय पहुंचे। किसानों ने वहां धरना दिया और अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की। लेकिन जब किसानों को मुख्य अभियंता से मिलने का अवसर नहीं मिला, तो जिलाध्यक्ष संदीप सिंह ने फोन पर उनसे वार्ता की। इस दौरान मुख्य अभियंता के कथित रूप से विवादास्पद बयान ने किसानों के आक्रोश को और भड़का दिया। जब किसानों ने अपनी फसलों को बचाने के लिए पानी की जरूरत बताई, तो मुख्य अभियंता ने कहा, मैंने पीले चावल देकर थोड़ी कहा था कि कनक (गेहूं) बोओ। इस बयान से नाराज किसानों ने इसे अपमानजनक और गैर-जिम्मेदाराना बताया।

मुख्य अभियंता के इस व्यवहार के खिलाफ किसानों ने जिला कलेक्टर से मुलाकात की। किसान प्रतिनिधियों ने मुख्य अभियंता पर किसानों से दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए तत्काल प्रभाव से उन्हें पद से हटाने (एपीओ करने) की मांग की। इसके साथ ही किसानों ने 20 जनवरी को हुए समझौते को लागू करने की भी बात कही, जिसमें 4 मार्च से 20 मार्च तक भाखड़ा नहर में 1250 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सहमति बनी थी। किसानों का कहना है कि उनकी गेहूं की फसल पकने की कगार पर है और यदि तय समय पर पानी नहीं दिया गया तो फसल बर्बाद हो जाएगी। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होगा। किसानों ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने की बात तो करती है, लेकिन उसके अधिकारी किसानों के साथ अपमानजनक व्यवहार कर रहे हैं।

किसानों का आरोप, पाकिस्तान भेजा जा रहा है पानी

किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार किसानों को पानी देने में आनाकानी कर रही है, जबकि 650 क्यूसेक पानी पाकिस्तान भेजा जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब देश के किसानों को उनकी जरूरत का पानी नहीं मिल रहा, तो पाकिस्तान को पानी देने का क्या औचित्य है? भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने कहा कि यह किसानों के साथ अन्याय है। एक तरफ सरकार किसान हितैषी योजनाओं की घोषणा करती है, तो दूसरी तरफ अधिकारी किसानों की मांगों को अनदेखा कर रहे हैं। किसानों ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे बड़े आंदोलन की तैयारी करेंगे। किसानों ने केंद्र और राज्य सरकार से इस मुद्दे में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि पानी की व्यवस्था जल्द नहीं की गई, तो वे और बड़ा आंदोलन करेंगे। किसानों ने कहा कि वे सिर्फ अपने अधिकार की मांग कर रहे हैं, जो कि पहले ही समझौते के तहत तय हो चुका है।

राष्ट्रीय कला मंदिर का फागोत्सव 9 को

श्रीगंगानगर। रंगों के मस्ती भरे पर्व होली के उपलक्ष में राष्ट्रीय कला मंदिर द्वारा गीत-संगीत का एक मनोरंजन और मनमोहक कार्यक्रम फागोत्सव 9 मार्च की आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय कला मंदिर के अध्यक्ष वीरेंद्र बैद ने बताया कि स्थानीय बाबा रामदेव मंदिर के सामने रोहित उद्योग परिसर में स्थित चौधरी रामजस कला सदन ऑडिटोरियम में 9 मार्च की शाम 6:31 बजे यह कार्यक्रम प्रारंभ होगा। मुख्य अतिथि रीको इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यप्रकाश खेमका और विशिष्ट अतिथि ट्रेड यूनियन लीडर विजय वासुदेव होंगे। मीडिया प्रभारी राकेश मोंगा ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गीत-संगीत प्रेमी शामिल होंगे। अनेक गायक कलाकारों द्वारा होली के गीतों की वाद्य यंत्रों की संगत में प्रस्तुतियां दी जाएंगी। उन्होंने गीत-संगीत प्रेमियों से कार्यक्रम में अधिक अधिक संख्या में पंहुचने आग्रह किया है।

बेटी बचाओ-बेटी पढाओ, नशा मुक्ति की शपथ दिलाई

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक विजय कुमार के निर्देशुनसार श्रीगंगानगर जिला मुख्यालय स्थित राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स-गाइड्स परिसर में उपस्थित महिलाओं को बेटी बचाओ-बेटी पढाओ एवं नशा मुक्त शपथ दिलाई। इस अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अन्तर्गत साप्ताहिक कार्यक्रमों में विभागीय योजनाओं जैसे-उधम प्रोत्साहन, काली बाई भील उड़ान योजना व पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केन्द्र व सखी सेंटर, महिला सुरक्षा सलाह केन्द्र तथा 181 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही नशा मुक्त अभियान के अन्तर्गत नशा नहीं करने तथा नशा करने वालों का नशा छोडने् के लिए लोगों को प्रेरित करने को कहा। इस अवसर पर सुपरवाईजर वैशाली अग्रवाल, जेन्डर स्पेशलिस्ट सुप्रीमा बरावड़, अन्नपूर्णा शर्मा, अमरपाल कौर, प्रियंका भामणिया परामर्शदात्री व गितिका चुघ ने विस्तार पूर्वक संबंधित योजनाओं की जानकारी दी।

वार्षिक उत्सव 'तरंग-2025' मे नन्हे मुन्नो ने विखेरा अनेकता मे एकता का रंग

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। ड्यून्स जीनियस पब्लिक स्कूल के वार्षिक उत्सव में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां से बच्चों ने अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में असिस्टेंट कमिश्नर सेल्स टैक्स सन्नी प्रताप त्रिपाठी, भाजपा युवा मोर्चा श्रीगंगानगर के जिला उपाध्यक्ष एवं संयुक्त व्यापार मण्डल श्रीगंगानगर के सचिव निश्चय जनवेजा उपस्थिति रहे। विशिष्ट अतिथि के रुप में पार्षद सुभाष खटिक एवं समाजसेवी एडवोकेट डॉ भुवनेश चन्द्र शर्मा शामिल हुए। विधालय संगठन के प्रदेश सचिव अरुण गोदारा, जिलाध्यक्ष रवि काजला भी आयोजन मे शामिल हुए। स्कूल निदेशक पवन शर्मा व मैनेजिंग डारेकटर माधव वशिष्ठ स्वागतकर्ता के मे उपस्थित रहे।

गिद्दा भागडा वेस्टन डांस से जीवन्त हुआ मंच: ड्युन्स जीनियस पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह तरंग 2025 बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ भारतीय परंपरा के अनुसार सभी अतिथियों का कार्यक्रम में पहुंचने पर तिलक कर स्वागत किया गया । सभी अतिथियों का स्वागत किया गया इसके उपरांत दीप प्रज्वलन के साथ बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए इसमें वेलकम सॉन्ग से लेकर पंजाबी जिद्दा तक के कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय है कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि डॉ भुवनेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि आज के परिवेश में बच्चों में शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक व धार्मिक संस्कार होना भी आवश्यक है उन्होंने कहा कि मंच पर आकर अपनी बात कहना बहुत बड़ी बात है और यह बच्चे तो इतनी शानदार प्रस्तुतियां दे रहे हैं उन्होंने बाल अधिकारिता व कानून के विषय में बताया। सन्नी त्रिपाठी ने ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया उन्होंने शिक्षा के साथ साथ अन्य गतिविधियों को लेकर विधालय की प्रसंशा की । स्कूल प्राचार्या पूनम शर्मा द्वारा स्कूल का वार्षिक प्रतिवेदन पढ़ कर सुनाया। कार्यक्रम के अंत मे स्कूल प्रबंधन के द्वारा सभी अतिथियों को सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया गया। विधालय मे चल रही मार्शल आर्ट अकेडमी के बच्चो ने स्टेज पर आत्म रक्षा पर आधारित प्रस्तुति दी। वही माँ और बाप की अहमियत पर आधारित नृत्य नाटिका ने आखे नम कर दी। इसके उपरांत पंजाबी राजस्थानी नृत्य ने सारे जहा से अच्छा हिंदुस्तान हमारा की झांकी प्रस्तुत की।

डीआईजी अरशद अली का राष्ट्रीय युवक परिषद ने किया सम्मान

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। डीआईजी अरशद अली को डीजीपी डिस्क से राज्यस्तर पर सम्मानित किए जाने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवक परिषद द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर परिषद के सदस्यों ने उनका अभिनंदन करते हुए माला पहनाई और स्मृति चिन्ह भेंट किया। राष्ट्रीय युवक परिषद के जिलाध्यक्ष प्रवीण जैन ने कहा कि डीआईजी अरशद अली अपनी सरलता, कर्तव्यनिष्ठा और आमजन हितैषी कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। उनकी त्वरित निर्णय क्षमता और न्यायप्रियता उन्हें अन्य अधिकारियों से अलग बनाती है। उन्होंने बताया कि जब भी परिषद के सदस्यों ने किसी जनसमस्या को लेकर डीआईजी से मुलाकात की, उन्होंने तत्परता से समाधान किया। इस सम्मान समारोह में परिषद के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने डीआईजी अरशद अली की प्रशासनिक दक्षता और समाज के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। इस दौरान परिषद के सदस्यों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनका यह सम्मान पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष प्रवीण जैन, कुरडाराम, श्री राम गोपाल, इंद्रजीत, ओम ईश्वर बठला, महेंद्र स्वामी, डीपी शर्मा, किशोरी, राजकुमार सोनी, उषा रानी, ममता कौशिक, पूजा रानी, अमनदीप सिंह, रितिक, सुनील कुमार, साहिल, वीरेंदर छापोला, छवि, सावित्री देवी, रेखा सिंगला, गोपीकृष्ण स्वामी, प्रवीण स्वामी, रितिक सोनी, बलदेव सेवटा, गिरिराज शर्मा, सुनीता भाटी, अंकित शर्मा, प्रमोद कुमार व अन्य सदस्य मौजूद थे।

दो पहिया वाहन चालकों से हेलमेट लगाने का आह्वान : जगदीप सिंह

जनमार्ग न्यूज

रावतसर। मानवाधिकार परिषद के जिला अध्यक्ष जगदीप सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष में रावतसर के पार्षद व अतिथियों के साथ दुर्घटना को देखते हुए सड़क सुरक्षा के लिए हेलमेट वितरण किए गए।इस मौके पर भाजपा नेत्री किरण मेघवाल व पार्षद मनोज मेघवाल व भाजपा नेता मनोज सोनी, सुधीर सोनी व कुलदीप सिंह ष्ट।।ह ,अंजु कुमारी मेघवाल ,पत्रकार आदि मौजूद रहे इस अवसर पर जगदीप सिंह ने बताया कि उन्होंने अब तक निस्वार्थ भावना से प्रेरित हो कर काफी दो पहिया वाहन चालकों को हेल्मेट प्रदान कर हेल्मेट लगाने के लिए भी आहवान किया जिंदगी अनमोल है सावधानी हटी दुर्घटना घटी इसके लिए सभी दो पहिया वाहन चालक अपने हेल्मेट का उपयोग करें

तीन लोगों ने पहले पीटा, फिर पेट में घोंपा चाकू

जनमार्ग न्यूज

भोपाल। भोपाल में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के परिजन ने चार लोगों पर आरोप लगाया है। आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग को लेकर परिजन और स्थानीय निवासियों ने थाने पर प्रदर्शन किया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद ही प्रदर्शन खत्म किया जा सका। मामला भोपाल के गांधी नगर इलाके में सोमवार रात 10:30 बजे का है। प्रारंभिक जांच में लड़की को लेकर विवाद की बात सामने आई है। गांधी नगर निवासी महबूब खान ने कहा- अदनान खान (22) मेरा मौसेरा भाई था। वह टू व्हीलर मैकेनिक था। हम दोनों मोहल्ले की मस्जिद में नमाज पढ़ने गए थे। अदनान नमाज के बाद बाहर निकला।

राजस्थान पेंशनर समाज का होली स्नेह मिलन 17 को

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राजस्थान पेंशनर समाज की आमसभा एवं होली स्नेह मिलन आगामी 17 मार्च को एल ब्लॉक हनुमान मंदिर में प्रात: 9:30 बजे आयोजित किया जाएगा जिसमें प्रदेश स्तरीय मांगों की नवीनतम स्थिति, पेंशनर्स की व्यक्तिगत समस्याओं पर भी चर्चा होगी। इसी दिन जिला शाखा के चुनाव संपन्न होंगे जिसके लिए कोषाधिकारी श्री मनोज मोदी को चुनाव अधिकारी व कोष कार्यालय के सहायक लेखाधिकारी प्रथम श्री जसवंत कड़वासरा एवं सहकारिता निरीक्षक संदीप इंदौरा को सहायक चुनाव अधिकारी बनाया गया है।

टाइम बैंक की बैठक: पेंशनर समाज की आमसभा के बाद 11 बजे से 12 बजे तक टाइम बैंक ऑफ इंडिया श्रीगंगानगर की बैठक होगी जिसमें टाइम बैंक की आगामी कार्य रूपरेखा पर विचार विमर्श किया जाएगा।

सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स की सभा: एल ब्लॉक हनुमान मंदिर में ही 17 मार्च को दोपहर एक बजे से 2 बजे तक सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स की मीटिंग आयोजित होगी जिसमें विधवा, परित्यकता, वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनरों को आमंत्रित किया गया है बैठक में उनकी समस्याओं पर चर्चा होगी तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स के प्रदेश व्यापी संगठन के गठन पर चर्चा की जाएगी।

विप्र फाउंडेशन की कार्यकारिणी नवगठित

बैठक में समाज की एकजुटता पर दिया बल

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। विप्र फाउंडेशन, तहसील शाखा श्रीगंगानगर की बैठक खींची चौक के समीप स्थित महर्षि गौतम आश्रम भवन में जिलाध्यक्ष मदनलाल जोशी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला महामंत्री पवन गौतम ने विप्र फाउंडेशन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। तहसील अध्यक्ष राजन शर्मा ने सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने, 6 न्यातियों में आपस में रिश्ते करने एवं समाज की एकजुटता का संदेश दिया। इस मौके पर विचार-विमर्श के पश्चात् सर्वसम्मति से विप्र फाउंडेशन तहसील शाखा श्रीगंगानगर की कार्यकारिणी का नवगठन किया गया। तहसील अध्यक्ष राजन शर्मा ने बताया कि नवगठित तहसील कार्यकारिणी में महामंत्री सुरेंद्र शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेशचन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष किशनलाल शर्मा, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा, संगठन मंत्री गोपाल राम शर्मा, सह मंत्री देवेश दाधीच, प्रचार मंत्री नीरज शर्मा, मीडिया प्रभारी नरेश शर्मा को बनाया गया है। इस पर मौजूद सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को फूलमालाएं पहनाकर अभिनंदन किया तथा जिलाध्यक्ष व तहसील अध्यक्ष ने समाज एवं संगठन हित में पूर्व से और अधिक सक्रिय होकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

बैठक में जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता करने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया तथा गोपाल राम शर्मा ने मौके पर ही एक छात्र के शिक्षा व्यय हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मदनलाल जोशी, जिला महामंत्री पवन गौतम, तहसील अध्यक्ष राजन शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, रमेशचन्द्र शर्मा, किशनलाल शर्मा, नरेन्द्र शर्मा, गोपालराम शर्मा, नीरज शर्मा, मनोज कपिल सहित विप्र फाउंडेशन जिला एवं तहसील पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

राज्य बीमारू बताने वालों को राजस्थान में रहने का कोई अधिकार नहीं : खन्ना

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। क्षेत्र के युवा भाजपा नेता अमित कुमार खन्ना ने वीरभूमि,खनिजों का अजायबघर कहे जाने वाले,अपनी वीरता के लिए विश्वप्रसिद्ध राजस्थान राज्य के प्रति अपनी भावना प्रकट की खन्ना ने बताया कि कुछ संगठनों के लोग जिन्हें शायद ज्ञान नहीं वे राजस्थान राज्य को बीमारू राज्य बताते है जबकि ये दुनिया जानती है कि राजस्थान जितना स्वस्थ और सुंदर प्रदेश कही दूसरा नहीं है।खन्ना ने बताया कि शुद्ध भोजन अगर कही है तो राजस्थान में है वही लगभग 70 प्रकार के खनिज राजस्थान में पाए जाते है और बड़े बड़े चिकित्सा संबंधी संस्थान राजस्थान में है राजस्थान तो वो प्रदेश है जो दुनिया भर के मरीजों का इलाज कर रहा है जिससे स्पष्ट होता है कि राजस्थान देश का सबसे स्वस्थ राज्य है।खन्ना ने बताया कि जिन लोगों को राजनीतिक रोटियां सेकनी है जिनका राजनीति में कोई अस्तित्व नहीं है वे लोग बिना किसी आधार के प्रदेश के लिए टिप्पणी करते है ऐसे लोगों को राजस्थान में रहने का कोई अधिकार नहीं है वहीं दूसरी और शर्म आनी चाहिए जहां का अन्न पानी ताउम्र हमारे लिए अमृत रहा उसी वीरभूमि के लिए हम टिप्पणी करे ये वास्तव ने अशोभनीय है।खन्ना ने बताया कि सरकार को ऐसा कानून बनाना चाहिए जो व्यक्ति या समूह हमारे राज्य पर टिप्पणी करे तो उक्त व्यक्ति या समूह के खिलाफ उचित कार्रवाई हो क्योंकि हमें पीड़ा होती है जब कोई व्यक्ति हमारे प्रदेश की वीर गाथा,त्याग और बलिदान पर उंगली उठाता है।

हर दिन लिखतीं नई कहानी

एक दौर था, जब आधी आबादी की स्थिति बहुत दयनीय थी, वह तमाम संकटों-यातनाओं से घिरी थी, दूसरों पर पूरी तरह निर्भर थी, उसका कोई अस्तित्व नहीं था। लेकिन समय के बदलाव के साथ स्त्रियों की स्थिति बदली, वे आत्मनिर्भर बनी। उन्होंने नई इबारत लिखनी शुरू की। आज की स्त्रियां विकासोन्मुखी हैं, उनकी अपनी एक अस्मिता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर अतीत से लेकर अब तक आधी आबादी के बदलते परिदृश्य पर एक विहंगम दृष्टि।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च का दिन इस लेखिका को पचास साल पहले ले जाता है, जब गांव में घर की फर्श पर लेटी थी कि रेडियो पर खबर आई कि संयुक्त राष्ट्र ने यह साल यानी कि 1975 को अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष घोषित किया है। उन दिनों इतनी समझ नहीं थी, लेकिन बाद में समझ में आया कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी दिवस को मनाने की घोषणा की जाती है तो इसका मतलब होता है, जिसके बारे में यह घोषणा की गई है, उसके बारे में सोचना, जागरूक होना। दुनिया भर में सरकारों से उनके समर्थन में नीतियां बनवाना। उन्हें लागू कराना।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी महिलाएं: एक जनगणना में यह भी बात सामने आई कि अब गांवों में भी महिला शिक्षा और उनकी आत्मनिर्भरता पर जोर है। महिलाओं की आत्मनिर्भरता ने उन्हें बताया कि अब वे पैसे-पैसे के लिए किसी और की मोहताज नहीं हैं। वे पैसे कमा सकती हैं, जैसा चाहे वैसा जीवन जी सकती हैं। वर्ना तो हमारी दादी-नानियों में बहुतों का कहना था कि उन्होंने कभी अपने हाथ में सौ रुपए भी नहीं देखे हैं। उस पीढ़ी की स्त्रियों का जीवन घर से घर तक खत्म हो जाता था। वे बाहर की दुनिया के बारे में जानती तक नहीं थीं। उन्होंने शायद ही कभी बाजार के दर्शन किए थे या अपने लिए कभी कुछ खरीदा था। वे खाना, कपड़े, इलाज सभी के लिए घर के पुरुषों पर ही निर्भर थीं।

यातनाओं से घिरी स्त्रियों का वो दौर: एक जमाना था जब स्त्रियां तमाम तरह की मुसीबतें-यातनाएं सहती थीं। विधवा हो जाएं तो घर से निकाल दी जाती थीं। बच्चे न हों, तो बांझ कह कर दूसरा ब्याह पुरुष कर लेते थे। घरेलू हिंसा आम बात थी। दहेज के तो कहने ही क्या। स्त्री दहेज कम लाई इसके ताने उसे जीवन भर सुनने पड़ते थे। स्टोव अकसर उसके ऊपर ही फटते थे। लड़की के मायके वालों की हैसियत हो, न हो, बच्चे के जन्म से लेकर हर त्योहार, उसके परिवार वालों से तरह-तरह के सामान की मांग की जाती थी। वह एक ऐसी सेविका होती थी, जो मुंह सिलकर बस सेवा करने के लिए बनी थी। मुंह से उफ निकली नहीं कि तरह-तरह की हिंसा की शिकार हुई नहीं। स्त्री की मृत्यु का कोई मतलब नहीं था। पुरुष विधुर होते ही दूसरी शादी कर लेता था, लेकिन स्त्री को विधवा होने का अभिशाप झेलना पड़ता था। हमारी आजादी के नायकों और पुनर्जागरण के नायकों ने इस बात को समझा था, इसीलिए विधवा विवाह का आंदोलन देश भर में चलाया गया था। बेमेल विवाह और बाल विवाह के विरोध में भी आंदोलन चले थे। हम वह समय भी याद करें, जब शादी को स्त्री का सबसे बड़ा धर्म माना जाता था। बचपन से ही उसके सामने कहा जाता था लड़कियां तो पराए घर की होती हैं। अपने माता-पिता का घर तो जैसे उसका अपना होता नहीं था और जिस घर में जाती थीं, वहां उन्हें हमेशा अहसास कराया जाता कि वह बाहर से आई हैं। यानी कि वह इस धरती पर बोझ की तरह थीं। इसका बड़ा कारण यह था कि उनके परिश्रम की अनदेखी की जाती थी। घर में रह कर चाहे चौबीस घंटे काम करें, लेकिन उससे कोई पैसा तो कमाती नहीं थीं, इसीलिए इस श्रम का कोई मूल्य भी नहीं था। उन्हें हर एक के अहसान के तले जिंदा रहना पड़ता था।

आजादी के बाद महिलाओं को मिले अधिकार: हमारे लोकतंत्र, आजादी की लड़ाई ने ही स्त्रियों की भूमिका को रेखांकित किया था। वोट के लिए उन्हें कोई संघर्ष भी नहीं करना पड़ा, जबकि अमेरिका जैसे देश में वोट का अधिकार पाने के लिए औरतों को सत्तर साल तक लड़ाई लड़नी पड़ी थी। इसके अलावा मीडिया की आलोचना भी खूब सहनी पड़ी थी, जबकि भारत में आमतौर पर मीडिया का साथ महिलाओं को मिला। उनकी समस्याओं को खूब उठाया गया। आज तक उठाया जाता है। महिलाओं के पक्ष में बहुत से कानून बने। यदा-कदा उनका दुरुपयोग भी होता है, लेकिन कुल मिलाकर ये कानून स्त्रियों को उनकी आफतों से मुक्ति दिलाने के लिए ही बनाए गए थे। घरेलू हिंसा, दहेज विरोधी अधिनियम, दुष्कर्म के खिलाफ कानून, स्त्रियों को संपत्ति में अधिकार, लिंग परीक्षण के खिलाफ ऐसे ही कानून हैं, जिनकी मूल प्रतिज्ञा स्त्रियों की रक्षा करना ही है।

आज की स्त्रियां: आज इक्कीसवीं सदी अपने पचीसवें वर्ष में जब प्रवेश कर चुकी है, तो हम देखते हैं कि इस दौर में स्त्रियों की दुनिया बदल गई है। अब वे दबी-कुचली इमेज को स्वीकार नहीं कर सकतीं। वे दबी-कुचली हैं भी नहीं। जिस तरफ देखें, सफलता के परचम लहराती नजर आती हैं। कहा जाता था कि राजनीति में स्त्रियों की कोई जगह नहीं है, लेकिन आजकल वे अपनी वोट और शिक्षा की ताकत से सरकारें बना रही हैं। पुरुषों से अधिक संख्या में वोट दे रही हैं। यही नहीं वे किसे वोट देंगी, इसका चुनाव खुद कर रही हैं न कि अपने घर के पुरुषों की इच्छानुकूल व्यक्ति को वोट दे रही हैं।

आजादी से रहना चाहती हैं लड़कियां: बदले हुए दौर में अब लड़कियों के लिए शादी उनकी प्राथमिकता नहीं रही। अपने देश में तो लड़की अठारह साल की हुई नहीं कि उसे ब्याहने का रिवाज था। लेकिन इन दिनों पढ़ी-लिखी लड़कियां या तो शादी ही नहीं करना चाहतीं या कहती हैं कि जब उन्हें लगेगा तब शादी करेंगी। अथवा जब कोई पसंद आएगा तब सोचेंगी। आजकल लड़कियां बड़ी संख्या में देश-विदेश घूम रही हैं। अपनी नजरों से दुनिया देख रही हैं। आनंद उठा रही हैं।

मिली है स्वायत्तता-स्वतंत्रता: आज की स्त्री इतिहास के एक ऐसे मोड़ पर है, जहां वह अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता को प्राप्त कर रही है। पहले आजाद ख्याल स्त्री को बिगड़ैल कहा जाता था, लेकिन अब स्त्रियां अपनी आजादी को सबसे महत्वपूर्ण मानती हैं। वे हर क्षेत्र में दिखाई दे रही हैं। राजनीति और मीडिया में छाई हुई हैं। वे उन क्षेत्रों में कदम-ताल कर रही हैं, जहां पहले कभी नहीं देखी गईं। सरकारें उनकी ताकत को पहचान रही हैं। हर दल के मेनिफेस्टो में उन्हें जगह मिल रही है। अब सरकार भी घरों की रजिस्ट्री स्त्रियों के नाम कर रही है, जिससे कि कभी उन्हें घर से न निकाला जा सके। सचमुच यह एक नई स्त्री है। इसे पुराने विचार और चश्मे से नहीं देखा जा सकता।

बदल गया परिदृश्य

संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष मनाए जाने की घोषणा के बाद अपने देश में भी परिदृश्य बदलने लगा। बहुत से महिला संगठन बने। हर साल इस दिवस पर बड़े-बड़े जुलूस निकाले जाते। स्त्रियों के प्रति जो भी अन्याय या अत्याचार हो रहा है, उनकी परेशानियां क्या हैं? इस पर बात होने लगी। लेख छपने लगे। सरकारी नीतियों में उन्हें प्राथमिकता मिलने लगी। वे अधिक से अधिक शिक्षित हों, आत्मनिर्भर हों इसकी योजनाएं बनने लगीं। क्रियान्वयन भी होने लगा। सरकारी जॉब्स हों या प्राइवेट, जहां एक्का-दुक्का महिलाएं नजर आती थीं, देखते-देखते महिलाओं की संख्या बढ़ती गई। कहने का यह मतलब है कि महिलाओं को पढ़ना-लिखना चाहिए, उन्हें आत्मनिर्भर बनना चाहिए, इसे जैसे हमारे समाज ने स्वीकार कर लिया था।

सशक्तिकरण के लिए चाहिए पुरुषवादी सोच से मुक्ति

यह कतई जरूरी नहीं कि समाज में बराबरी का दर्जा पाने, सशक्त बनने के लिए महिलाएं, पुरुषों का हमेशा विरोध करें। वास्तव में सशक्तिकरण के लिए पुरुषवादी सोच से मुक्ति पाना जरूरी है। इसके लिए वे कैसे और किस स्तर पर प्रयास कर सकती हैं, यह सभी महिलाओं के लिए जानना जरूरी है।

लगभग हर वर्ष 8 मार्च यानी महिला दिवस पर एक सवाल इसके औचित्य पर उठता है। साथ ही पूछा जाने लगता है कि महिलाएं मुक्ति आखिर किनसे चाहतीं हैं? अपने पिता, पति, भाई या बेटे से या दुनिया के तमाम पुरुषों से? इस मामले को गंभीरता से समझे जाने की जरूरत है। वास्तव में महिलाओं की लड़ाई पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थापित कर दी गई, उस पुरुषवादी मनोवृत्ति से है, जो महिलाओं को खुद से कमतर समझते हैं।

बच्चों का हित सबसे अहम: हम जानते हैं कि लाख विरोध, लाख संघर्ष के बावजूद स्त्री और पुरुष के बीच का मतभेद या संघर्ष दो देश, दो नस्ल, दो जाति, दो दल या दो वर्ग की लड़ाई नहीं है। स्त्री-पुरुष में जो भी हारता या पिछड़ता है, लेकिन इससे प्रभावित दोनों की जिंदगियां होती हैं। परिवार और बच्चे पर भी इसका असर पड़ता है। शायद यही कारण है कि तमाम कानून से वाकिफ रहने के बावजूद महिलाएं कई बार चुप्पी अपना लेती हैं। पर इस चुप्पी को सही नहीं ठहराया जा सकता है। आवाज उठानी ही चाहिए।

अन्याय का विरोध जरूरी: अगर आप, आपके परिवार, पड़ोस या गांव में कोई महिला पीड़ित है तो इसका मतलब है कि और भी कई महिलाएं इस दर्द से गुजर रही हैं। अकसर हम घर परिवार की इज्जत, समाज क्या कहेगा आदि के नाम पर उफ तक नहीं करते। महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही महिलाओं ने इस सूत्र की पहचान कर अपने अनुभवों का निचोड़ देते हुए कहा है कि पर्सनल इज पॉलिटिकल। एक के प्रतिरोध में दूसरी कई महिलाओं की तकलीफों का इलाज छिपा है। इसलिए अन्याय किसी महिला के साथ हो, विरोध जरूरी है।

हम पुरुष नहीं बनना चाहते: महिला दिवस पर एक बार फिर हम महिलाएं कहना चाहती हैं कि हम महिला दिवस मनाते हैं, फेमिनिस्ट हैं, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि हम पुरुष बनना चाहते हैं यानी उनकी सोच अपनाना चाहते हैं। सच यही है कि हमें अपनी प्राकृतिक संरचना पर गर्व है। जो हमारी शारीरिक-मानसिक संरचना है, हमें बेहद प्रिय है। हमें मातृत्व से मुक्ति नहीं चाहिए, मुक्ति चाहिए पुरुषों की उस सोच से, जो हमें जन्म देने वाली मशीन समझता है। मुक्ति चाहिए उस अमानवीय सोच से, जो स्त्रियों के शरीर को बस भोग्य समझता है।

मुक्ति पूर्वाग्रह से: 'त्रिया चरित्रं .. देवो न जानाति' ऐसे जाने कितने पूर्वाग्रह पुरुषों ने पीढ़ियों से अपने मन में बसा रखे हैं। हमें उनके ऐसे पूर्वाग्रहों से मुक्ति चाहिए। जी हां, हम जानते हैं कि दोषी पुरुष नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था है, जो जन्म से मृत्यु तक पुरुषों को एक ही पाठ पढ़ाती है कि महिलाएं उनसे कमतर हैं। उनके भोग के लिए हैं। घर संभालना और बच्चे जन्म देना ही उनका काम है। नन्हा-सा बच्चा रोने लगता है तो पुरुष सदस्य झट से कहते हैं, ये क्या लड़कियों की तरह रोने लगे? दरअसल, दोषी वही बातें हैं, जो जाने-अनजाने बच्चों के मन में यह बात पैठ करा देती हैं कि लड़कियां कमतर हैं।

संकीर्ण सोच से मुक्ति: आज जरूरत इस बात की है कि हम काम या प्रवृति को औरताना और मर्दाना खाने में बांटना बंद कर दें। हम महिलाएं शर्माती हैं, अधिक महत्वाकांक्षा नहीं पालतीं, चूहों-काक्रोच से डरती हैं, तो ऐसे में दरकार हमारे खुद के इन गुणों, संकीर्ण सोच से मुक्ति की है। साथ ही जरूरत अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देने की भी है कि वे उसे ही हीन न समझने लगें, जो कोख में रख कर उन्हें जीवन देती है।

सशक्तिकरण की ओर स्वयं बढ़ाएं कदम

महिला दिवस के आस-पास महिला सशक्तिकरण की चर्चा हर तरफ से सुनाई देने लगती है। हालांकि सरकार से लेकर अनेक गैर सरकारी संस्थाएं और संगठन, महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य भी कर रही हैं। लेकिन हमें ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी सामाजिक परिवर्तन केवल संस्थागत प्रयासों से सफल नहीं हो सकता। इसके लिए जमीनी स्तर पर कार्य होना आवश्यक है। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर हर महिला को सशक्त बनाना है तो सभी महिलाओं को इसके लिए जागरूक करना पड़ेगा, ताकि महिलाएं स्वयं सशक्त बनने की दिशा में आगे बढ़ें।

अर्जित करें शिक्षा: शिक्षा को सशक्तिकरण की चाबी कहा जाए तो गलत नहीं होगा। महिलाओं के लिए यह बात बहुत ज्यादा मायने रखती है। अगर बेटियों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से कराई जाए तो वे न सिर्फ समझदार और जागरूक बनती हैं बल्कि अपने पैरों पर खड़ी होकर आर्थिक स्वावलंबन भी अर्जित करती हैं। शिक्षित महिलाएं समाज की रूढ़ियों को तोड़ अपने लिए नया रास्ता बनाती हैं। आने वाली पीढ़ियों को राह दिखाती हैं और खुद सशक्त होकर समाज, परिवार और देश को भी मजबूत बनाती हैं।

घर के फैसलों में भागीदारी: अकसर यह देखा जाता है कि घर के सारे अहम फैसले पुरुष सदस्य ही लेते हैं। फिर चाहे वह प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला हो या बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह आदि से जुड़ा मुद्दा। कई बार महिलाओं से उनकी राय भी नहीं पूछी जाती है। लेकिन अधिकतर मामलों में महिलाएं इसे जरूरी भी नहीं मानती हैं, उन्हें लगता है कि इन मामलों में वे सही निर्णय नहीं ले पाएंगी। ऐसी सोच से उनमें आत्मविश्वास घटता है और निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें कमजोर होने लगती है। घर-परिवार से जुड़े हर छोटे-बड़े मामले में महिलाओं को आगे बढ़कर अपनी राय देनी चाहिए और जरूरत के अनुसार फैसले भी लेने चाहिए।

अपने अधिकार जानें: छोटे शहरों और गांवों में रहने वाली अधिकांश महिलाओं के अशक्त होने की एक बड़ी वजह है कि उन्हें अपने अधिकारों और अपने पक्ष में बने कानूनों की जानकारी ही नहीं है। पढ़ी-लिखी महिलाओं को न केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए, अपने आस-पड़ोस अशिक्षित महिलाओं को भी उनके अधिकारों की जानकारी देनी चाहिए।

भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाएं: घर हो या दफ्तर, सार्वजनिक स्थानों पर भी महिलाओं के साथ भेदभाव होना आम बात है। इसलिए यह जरूरी है कि महिलाओं के साथ हो रहे हर तरह के भेदभाव के विरोध में अपनी आवाज उठाई जाए। महिला-पुरुष में कोई भी भेदभाव हो, तो उसका पुरजोर विरोध करें।

एक समय तक वूमेन एंपॉवरमेंट के लिए शिक्षा को सबसे जरूरी माना जाता था। लेकिन आज के दौर में डिजिटली स्किल्ड और इंटरनेट यूज करने में एक्सपर्ट होना जरूरी हो गया है। इससे खुद को कैसे एंपॉवर कर सकती हैं, जानिए।

एंपॉवरमेंट के लिए जरूरी बनें डिजिटल एक्सपर्ट

इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम, 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। कुल मिलाकर यह थीम सभी को समान अधिकार, शक्ति और अवसरों को सुरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देती है। सवाल है, इसे हासिल कैसे किया जाए? आज के दौर में इन सभी चीजों को हासिल करने का एक ही तरीका है- डिजिटल तकनीकों में महारत यानी एक्सपर्टीज हासिल की जाए।

डिजिटल स्किल्ड का अर्थ: आज शिक्षा की बड़ी-बड़ी डिग्रियों से सशक्तिकरण की उतनी गारंटी नहीं है, जैसी गारंटी आधुनिक डिजिटल तकनीक में महारत हासिल करने में है। लेकिन डिजिटल कुशलता का मतलब सिर्फ कंप्यूटर या स्मार्टफोन चला लेने में दक्षता भर नहीं है बल्कि काम की सूचनाओं तक त्वरित ढंग से पहुंच, डिजिटल उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर सकना, ऑनलाइन अवसरों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाना और साइबर सुरक्षा की भरपूर समझ होना है। वास्तव में आज सशक्तिकरण का बुनियादी आधार यही है, चाहे आप लड़की हों या लड़का। महिलाओं के लिए यह ज्यादा जरूरी है, क्योंकि वे अभी भी समाज में पुरुषों के मुकाबले पिछड़ी हुई हैं। इसलिए इस महिला दिवस पर क्यों न आप डिजिटल तकनीकी में कुशलता हासिल करने का संकल्प लें।

इकोनॉमिक एंपॉवरमेंट: आज की तारीख में डिजिटल तकनीक में कुशल होने पर ही रोजगार के नए से नए अवसर उपलब्ध होते हैं। सिर्फ नौकरी ही नहीं, आज की तारीख में डिजिटल कुशलता के बिना फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन बिजनेस, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग जैसे किसी भी क्षेत्र में काम पाने की उम्मीद नहीं की जा सकती। आजकल डायरेक्ट एंप्लॉयमेंट से ज्यादा महिलाओं के लिए फ्रीलांसिंग की सुविधा मौजूद है, जो बहुत आराम से घर बैठे की जा सकती है। लेकिन यह संभव तभी होगी, जब आपके पास खुद का डेस्कटॉप कंप्यूटर या लैपटॉप हो और डिजिटल तकनीक में आप पूरी तरह पारंगत हों। अगर ऐसा है तो आप कभी भी आर्थिक रूप से परेशान नहीं रहेंगी क्योंकि बाजार में बहुत बड़े पैमाने पर ऑनलाइन डिजिटल रोजगार उपलब्ध है।

स्टार्टअप-एंटरप्रेन्योरशिप: महिलाएं सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन ब्रांडिंग का उपयोग करके घर बैठे अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। आज देश में सैकड़ों या हजारों नहीं बल्कि लाखों महिलाएं हैं, जो घर बैठे अपना बिजनेस कर रही हैं। लेकिन यह तभी संभव है, जब आप डिजिटल तकनीक के बरतने में माहिर हों। वर्क फ्रॉम होम के मौके भी ऐसी ही महिलाओं के लिए उपलब्ध होते हैं, जो डिजिटल तकनीक में कुशल हैं।

शिक्षा और ज्ञान का विस्तार: अगर आज आप डिजिटल टेक्नोलॉजी में माहिर हैं, अपने सशक्तिकरण के लिए उसका बेहतर इस्तेमाल करना जानती हैं तो आज ऐसे दर्जनों प्लेटफॉर्म हैं, जहां से घर बैठे विभिन्न क्षेत्रों की उच्च शिक्षा हासिल कर सकते हैं या अपने कौशल को बढ़ा सकती हैं। यही नहीं अगर डिजिटल तकनीक में पारंगत हैं तो तमाम तरह की स्वास्थ्य और कानूनी जानकारियां हासिल करके महिला अधिकारों, सरकारी योजनाओं, मातृत्व लाभ और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारियां आसानी से पा सकती हैं और इनके जरिए अपना आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण भी आसानी से कर सकती हैं।

कह सकते हैं कि आज की तारीख में आर्थिक, सामाजिक और वैयक्तिक सशक्तिकरण के लिए सबसे ज्यादा जरूरी डिजिटली एक्सपर्ट होना है।

स्त्री सशक्तिकरण की राह में सबसे बड़ी बाधा है लिंग भेद। यह भेद जब घर में ही हो, अपनों के बीच हो तो बहुत पीड़ादायक स्थिति हो जाती है। इसे देखते हुए उन्हें वो आजादी, प्रेम, मान-सम्मान परिवार की तरफ से स्वत: मिलना चाहिए, जो उनकी अस्मिता के लिए, उनके सम्मान के लिए जरूरी है।

समानता संग पोषित हो स्नेह-सम्मान

स्त्रियां घर-परिवार को स्नेह से सींचती हैं। सुख-दु:ख में साथ खड़ी होती हैं। खुशी हो या पीड़ा, बिन कहे अपनों का मन समझ लेती हैं। घरेलू उलझनों को सहजता से सुलझाती हैं। सामाजिक सरोकारों से गंभीरता से जुड़ती हैं। बच्चों का भविष्य हो या बड़ों की देखभाल, उनके ही हिस्से होती हैं। अपनी उलझनों को भूलकर पर्व-त्योहारों को जीवंत उल्लास से भर देती हैं स्त्रियां। अनगिनत फ्रंट्स पर जूझने के बावजूद भेदभाव का दर्द आज भी महिलाओं के हिस्से है। यही कारण है, स्त्रियों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए जेंडर इक्वेलिटी सबसे जरूरी है। दुनिया के हर कोने में समानता का भाव ही सशक्तिकरण की बुनियाद है।

कोशिशें हों कारगर: इस साल इंटरनेशनल वूमेंस-डे की थीम 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। वर्ष 1975 से यूनाइटेड नेशंस हर साल एक खास थीम के साथ महिला दिवस मनाता है। ऐसा विषय, जो हर उम्र की महिलाओं की बेहतरी से जुड़ा हो। बेटियों और महिलाओं की इक्वेलिटी और एंपॉवरमेंट को संबोधित करता हो। वूमेंस-डे 2025 का विषय असल में हर तरह के पॉजिटिव बदलाव और प्रोग्रेस की बुनियाद है। बराबरी का हक मिले बिना महिलाएं सशक्त नहीं बन सकतीं। यही वजह है कि इस वर्ष की थीम समान अधिकार, एंपॉवरमेंट और आगे बढ़ने के लिए समान अवसर मिलने की वकालत करती है। यह विषय दुनिया की हर स्त्री को सुरक्षित भविष्य देने के त्वरित एक्शन का भी आह्वान करता है। असल में इक्वेलिटी और वूमेन एंपॉवरमेंट को लेकर लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। बहुत से सकारात्मक परिवर्तन हुए भी हैं। अब ग्लोबल लेवल पर बेहतरी की इन कोशिशों को और गति देने की दरकार है। इसी के चलते इस वर्ष 'कार्रवाई में तेजी लाना' के विचार पर भी बल दिया जा रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मुताबिक प्रोग्रेस की मौजूदा दर पर पूरी तरह से जेंडर इक्वेलिटी पाने में 2158 तक का समय लगेगा। महिला अधिकारों से जुड़ा यह इंटरनेशनल मूवमेंट समझाता है कि इस रफ्तार से लैंगिक समानता तक पहुंचने में 134 साल लगेंगे। इसमें तेजी न लाई गई तो कई जेनरेशन खप जाएंगी। ऐसे में स्त्री सशक्तिकरण की कोशिशों का सफल होना ही नहीं, उनका गति पकड़ना भी जरूरी है।

उपलब्धियों का आधार: दुनिया के हर हिस्से में महिलाओं ने विपरीत हालातों से जूझकर भी कुछ कर दिखाने का जज्बा दिखाया है। इस हौसले की बुनियाद पर ही स्त्रियां भविष्य में भी बेहतरी की ओर बढ़ने का माद्दा जुटा रही हैं। यह बात कर्मठता सेलिब्रेट करने योग्य है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष और सफलताओं को उत्सव की तरह मनाने का दिन है। इसीलिए भविष्य संवारने के प्रयासों को अपनी उपलब्धियों का आधार दे रही स्त्रियों के लिए यह दिन बेहद खास होता है।

एंपॉवरमेंट के रंग

महिलाओं का जीवन रंगों से गहराई से जुड़ा होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अवेयरनेस लाने के लिए रंगों को भी एंपॉवरमेंट से जोड़ा जाता है। महिला दिवस से बैंगनी, हरे और सफेद रंग जुड़े हैं। ये तीनों रंग कुछ खास भावों और विचारों के प्रतीक हैं। बैंगनी रंग न्याय, सम्मान और महिलाओं की बेहतरी से जुड़े उद्देश्यों को पूरा करने की प्रतिबद्धता से जुड़ा है। वहीं हरा रंग आशाओं से, सफेद रंग पवित्रता से जुड़ा है। साझे रूप से ये रंग बायस्ड और नेगेटिव सोच से दूर महिलाओं के लिए सम्मानजनक माहौल बनाने का संदेश देते हैं।

औचक कार्रवाई में खान विभाग ने अवैध बजरी परिवहन करते

बिना नंबर के 2 डंपर 1 ट्रेलर सहित तीन वाहन जब्त, 15 लाख से अधिक का जुर्माना

❑ एक सप्ताह में 3 जेसीबी, 1 कंप्रेसर, डंपर ट्रेलर, ट्रॉली सहित 28 वाहन जब्त

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। माइंस विभाग की जयपुर ने सोमवार तड़के जयपुर के आसलपुर में कार्रवाई करते हुए दो बिना नंबर के डंपर, एक ट्रेलर सहित 3 वाहनों को बजरी का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किया है। खान विभाग जयपुर ने अधीक्षण खनि अभियंता एनएस शक्तावत एवं अधीक्षण खनि अभियंता सतर्कता प्रताप मीणा के निर्देशन में एमई जयपुर श्याम कापड़ी की टीम ने एक सप्ताह में 28 वाहन जब्ती की कार्रवाई करते हुए संबंधित पुलिस थानों के सुपुर्द किया है।

एमई जयपुर श्याम कापड़ी ने बताया कि खनि कार्यदेशक विश्राम मीणा, सोनू अवस्थी एवं सुधीर कुमार मय बॉर्डर होमगार्ड की टीम द्वारा 3 मार्च को अल सुबह बजरी के अवैध परिवहन करते 2 बिना नंबरी डंपर एवं 1 ट्रेलर आरजे 47 जीबी 2238 को आसलपुर रेलवे फाटक के पास पकड़कर पुलिस थाना जोबनेर सुपुर्दगी में दिये गये । कार्रवाई के दौरान खान विभाग द्वारा तीनों वाहनों पर लगभग

15 लाख से भी अधिक राशि का जुर्माना आरोपित किया गया। इसके अलावा दो डंपरों के बिना नंबर के होने के कारण अग्रिम कार्रवाई हेतु संबंधित परिवहन विभाग कार्यालय को भी सूचित किय गया है। खनि अभियंता श्याम कापडी ने बताया कि अवैध खनन/निर्गमन के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस अपनाते हुए पिछले सप्ताह में निकट ग्राम दांतली, सांगानेर में खनिज मैसनरी स्टोन का अवैध खनन करते हुए पाये जाने पर 03 जेसीबी मशीन, 02 डम्पर, 03 ट्रेक्टर ट्रॉली, 01 कम्प्रेसर मशीन और 01 डम्पर खनिज बजरी का अवैध परिवहन करते हुए पाये जाने पर पुलिस थाना शिवदासपुरा की सुपुर्दगी में दिया गया। अवैध खनिज निर्गमन करते हुए पाये जाने पर 4 डम्पर, 02 ट्रेक्टर ट्रॉली को पुलिस थाना फागी में, 4 ट्रेक्टर ट्रॉली पुलिस थाना सांगानेर सदर में, 01 डम्पर पुलिस थाना माधोराजपुरा, 01 डम्पर पुलिस थाना रेनवाल मांझी, 3 डम्पर पुलिस थाना जोबनर की सुपुदगी में दिया गया। इस प्रकार कुल 18 प्रकरणों मे जब्त 03 जेसीबी मशीन, 01 कम्प्रेसर मशीन, 12 डम्पर, 9 ट्रेक्टर ट्रॉली से राशि रू. 48 लाख की वसूली की कार्यवाही की जा रही है।

कार्यवाही के दौरान एसएमई एनएस शक्तावत, विजिलेंस प्रताप मीणा के मार्गदर्शन में एमई श्याम कापड़ी की टीम सहायक खनि अभियंता खनि कार्यदेशक सुभाष डांगी, जैद अली, विश्राम मीणा, दुर्गा सिंह, अरुण वर्मा, श्रीमती सोनू अवस्थी और अनिल कुमार वर्मा की टीम द्वारा औचक चेकिंग कार्रवाई की जा रही है।

आसाराम के इलाज के लिए टीम जाएगी आश्रम

❑ उज्जैन के आयुर्वेदिक अस्पताल की टीम कर रही इलाज; वीडियो में आया नजर

जनमार्ग न्यूज

उज्जैन। नाबालिग और महिला से रेप केस में सजा काट रहा आसाराम इंदौर में एक दिन रुकने के बाद सोमवार को फिर उज्जैन लौट आया। वो उज्जैन के आयुर्वेदिक अस्पताल में पंचकर्म कराने पहुंचा। इस दौरान भारी सुरक्षा के बीच किसी ने अस्पताल से बाहर आते समय उसका वीडियो बना लिया। वीडियो में आसाराम काफी थका हुआ नजर आ रहा है। वहीं, वह व्हील चेयर पर बैठा हुआ दिखाई दे रहा है। उसके साथ सुरक्षाकर्मी कुछ अनुयायी और पुलिसकर्मी भी दिखाई दे रहे है। आसाराम सफेद कपड़े और लाल टोपी पहने हुए है। साथ ही लोगो को अभिवादन स्वीकार करते हुए अस्पताल से बाहर निकल रहा है। बताया जा रहा है कि आयुर्वेदिक अस्पताल की टीम मंगलवार को आश्रम जाकर आसाराम का इलाज करेंगी। दरअसल, आसाराम के पैरो में दिक्कत होने की वजह चलने में दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। इसी वजह से वो पंचकर्म सहित अन्य इलाज आयुर्वेदिक अस्पताल से करवा रहा है। कोर्ट से मिली जमानत के बाद आसाराम इंदौर पहुंचा था। यहां प्रवचन करने का वीडियो वायरल होने के बाद बीते हफ्ते से उज्जैन के मंगलनाथ रोड स्थित आश्रम में रह रहा है। यहां आसाराम के पहुंचने की खबर मिलने के बाद देश से उनके अनुयायी आश्रम पहुंचने लगे है। आसाराम से मिलने की चाह में आश्रम में रोजाना एक हजार से ज्यादा लोग जुट रहे हैं। आसाराम का इंदौर में वीडियो वायरल होने के बाद उज्जैन के आश्रम में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। आसाराम के सेवक आश्रम में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति की जांच कर रहे है।

विश्वकर्मा शिल्पकार प्रबंधकारिणी सभा ने कलक्टर को ज्ञापन सौंपा

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। विश्वकर्मा शिल्पकार प्रबंधकारिणी सभा सुखाड़िया सर्किल श्रीगंगानगर के आजीवन सदस्यों का एक शिष्टमण्डल जयसिंह मेघवाल ठेकेदार के नेतृत्व में जिला कलक्टर से मिला व आरपीटी एक्ट में पंजीकृत सार्वजनिक प्रन्यास विश्वकर्मा शिल्पकार प्रबंधकारिणी सभा सुखाड़िया सर्किल श्रीगंगानगर के चुनाव सम्पन्न करवाए जाने तथा जोरजबरदस्ती साजिशी बनाई गई कार्यकारिणी से विमुक्ति दिलवाए जाने का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन की एक प्रति सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, हनुमानगढ़ को भी पृष्ठांकित की गई।

ज्ञापन में बताया गया कि श्री विश्वकर्मा शिल्पकार प्रबंधकारिणी सभा सुखाड़िया सर्किल श्रीगंगानगर एक सार्वजनिक प्रन्यास है, जिसका पंजीयन सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग से पंजीयन क्रमांक 2-96-श्रीगंगानगर है। उक्त प्रन्यास के पंजीकृत संविधान की धारा-6 संगठन व प्रबन्ध की उपमद (ख) के अनुसार प्रबंधकारिणी सभा में एक तिहाई से अधिक सदस्य एक वर्ग , जाति या समुदाय से नहीं होंगे। जबकि तथाकथित रूप से साजिशन 25 अगस्त 2024 को गठित की गई कार्यकारिणी के सभी सदस्य एक ही जाति 'सुथार' से लिए गए हैं जबकि उक्त निर्वाचन कार्यक्रम पर देवस्थान विभाग हनुमानगढ़ द्वारा 7 अगस्त 2024 को आगामी आदेश तक पूर्णतः रोक लगाई हुई थी।

ज्ञापन में जिला कलक्टर एवं सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग हनुमानगढ़ से मांग की गई कि सभा के पंजीकृत विधान की धारा-8 की उपधारा (क) के अनुसार श्री विश्वकर्मा शिल्पकार प्रबंधकारिणी सभा का चुनाव प्रतिवर्ष माह मार्च में होगा। इसी अनुरूप चुनाव कार्यक्रम घोषित करवाया जावे एवं प्रशासन अपने स्तर पर चुनाव करवाए ताकि पारदर्शिता से चुनाव सम्पन्न हो सकें।

ज्ञापन में प्रशासन को सात दिवस में चुनाव कार्यक्रम घोषित करवाकर जिला कलक्टर की निगरानी में निष्पक्ष चुनाव करवाने सुनिश्चित करवाए जाने हेतु वांछित आदेश-निर्देश प्रसारित करने की माँग करते हुए चेताया गया कि यदि जिला प्रशासन व देवस्थान विभाग हनुमानगढ़ द्वारा इस संबंध में समुचित आदेश प्रसारित कर कार्यवाही प्रारंभी नहीं की गई तो समाज के सदस्यों को विवश होकर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन सहित विधिक चाराजोरी करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा जिसकी समस्त जिम्मेवारी जिला प्रशासन व देवस्था विभाग हनुमानगढ़ की होगी। शिष्ट मण्डल में संदीप कुमार, गुलाब सिंह, ओमप्रकाश, काशीराम ठेकेदार, प्रदीप कुमार, सीताराम, जोगेन्द्र सिंह ठेकेदार, हरमेश कुमार, विनोद ठेकेदार, लालचन्द ठेकेदार सहित सभा के अन्य आजीवन सदस्य शामिल रहे।

नक्सलियों ने पूर्व एमएलए के ससुर का गला रेंता

जनमार्ग न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने पूर्व एमएलए और सीपीआई लीडर मनीष कुंजाम के छोटे ससुर की हत्या कर दी। नक्सलियों सोमवार देर रात घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। घटना पर मनीष कुंजाम ने कहा कि, हिंसा से सिर्फ हिंसा ही बढ़ेगी। मामला जिले के चिंतागुफा थाना का है। जानकारी के मुताबिक, जिले के नक्सल प्रभावित इलाके पेंटापाड़ के रहने वाले कलमू हिड़मा (65) की नक्सलियों ने हत्या की है। नक्सलियों की कोंटा एरिया कमेटी ने हत्या की जिम्मेदारी ली है। हत्या के बाद एक पर्चा भी फेंका है, जिसमें ग्रामीणों पर दबाव बनाकर जमीन हड़पने और खुदके नाम का पट्टा बनाने का आरोप है। नक्सलियों के पर्चे में लिखा है कि हिड़मा ग्राम पटेल भी था। इसे कई बार समझाइश भी दी गई थी। नहीं माना तो मौत की सजा दी गई है। पर्चे के माध्यम से नक्सलियों ने धमकी दी है कि जो भी नक्सल संगठन के खिलाफ काम करेगा उसका अंजाम ठीक नहीं होगा। फिलहाल पुलिस ने पर्चा बरामद कर लिया है।

ईडी का डब्ल्यूटीसी बिल्डर-भूटानी ग्रुप के ठिकानों पर तलाशी, 3400 करोड़ के दस्तावेज मिले

अमेरिका में निवेश, सिंगापुर भेजे दो सौ करोड़

जनमार्ग न्यूज

गुरुग्राम। देश की चर्चित रियल एस्टेट कंपनी डब्ल्यूटीसी बिल्डर और भूटानी ग्रुप और इनसे जुड़े प्रोमोटरों के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सर्च ऑपरेशन में 3400 करोड़ रुपए से अधिक के धन संग्रह से संबंधित दस्तावेज मिले है। जो दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में 15 परियोजनाओं के माध्यम से निवेशकों से धन प्राप्त किया गया। इन 15 प्रमुख परियोजनाओं में से समूह द्वारा किए जा रहे कार्यों में बहुत कम डिलीवरी दी गई है। कंपनियों के नाम पर विभिन्न सावधि जमा (एफडी) को जब्त कर लिया गया है। इतना ही नहीं प्रोजेक्ट और अन्य संस्थाओं के नाम पर विदेशों में मनी लान्ड्रिंग यानि धन की हेराफेरी भी की गई। इसके अलावा तलाशी कार्रवाई के दौरान यह भी पता चला कि 200 करोड़ रुपए सिंगापुर भेजे गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए निवेश का भी पता चला है। ईडी द्वारा यह कार्रवाई दिल्ली, लखनऊ, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम समेत कई शहरों में 12 ठिकानों पर की गई थी। सोमवार को ईडी के गुरुग्राम जोनल कार्यालय की तरफ से बताया गया कि घर

खरीदारों द्वारा दर्ज दर्जनों एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की है।

डेढ़ करोड़ के जेवर मिले: 1.50 करोड़ रुपए कीमत के आभूषण बरामद किए गए हैं। डब्ल्यूटीसी समूह और भूटानी समूह से संबंधित आपत्तिजनक दस्तावेज पाए गए, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। इनमें हजारों करोड़ रुपए की बाजार मूल्य की संपत्ति नाममात्र के मूल्य पर भूटानी समूह को हस्तांतरित कर दी गई है। ग्रुप का नकद लेन-देन भी मिला है। ईडी ने बिक्री कार्य, पंजीकरण दस्तावेज, लैपटॉप, हार्ड ड्राइव आदि बरामद किए। इसके अतिरिक्त समूह के नाम पर हजारों करोड़ की प्रोपर्टी की पहचान की गई है।

इनके खिलाफ केस दर्ज: इस संबंध में आशीष भल्ला, सुपर्णा भल्ला, अभिजीत भल्ला, मैसर्स भूटानी इंफ्रा और अन्य पर धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और सैकड़ों लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। आरोपी कंपनियों और व्यक्तियों द्वारा घर खरीदारों को लालच दिया था कि वे आवंटन के लिए सेक्टर 111-114 फरीदाबाद में उनकी परियोजना में निवेश करें। बड़ी संख्या में खरीदारों ने इसमें निवेश किया, लेकिन प्रमोटरों और निदेशकों ने आपराधिक साजिश रची और निर्धारित समय के भीतर प्रोजेक्ट पूरा न करके प्लॉट खरीदने वालों की मेहनत की कमाई लूट ली।

10 साल में भी नहीं मिली डिलीवरी: प्राथमिक रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया कि भूटानी इंफ्रा ग्रुप ने डब्ल्यूटीसी ग्रुप का अधिग्रहण कर लिया है और सेक्टर 111-114 फरीदाबाद में परियोजना को फिर से लॉंच कर दिया। जिन्होंने निवेश किया उन्हें 10 साल से अधिक समय तक प्लॉट खरीदने वालों को प्लॉट की डिलीवरी नहीं की गई।

देश की बड़ी रियल स्टेट कंपनियों में एक: देश की बड़ी रियल एस्टेट कंपनियों में शामिल भूटानी ग्रुप प्रोजेक्ट्स है कंपनी अब तक 9 मिलियन स्क्वायर फीट से ज्यादा निर्माण कर चुकी है और इसके 74 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। भूटानी ग्रुप का नाम आधुनिक कॉमर्शियल और रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट्स के लिए जाना जाता है।

बसपा ने 'गांव की ओर' कार्यक्रम के तहत विधानसभाओं का दौरा किया

❑ बैठक में विधानसभा प्रभारी तथा विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किए

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। बहुजन समाज पार्टी, श्रीगंगानगर द्वारा राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व के दिशा-निर्देशानुसार 'गांव की ओर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत बसपा जिलाध्यक्ष प्रिंसिपल भजन सिंह घारु तथा प्रदेश सचिव व संभाग प्रभारी प्रेम नायक द्वारा श्रीगंगानगर जिले की सभी विधानसभाओं का दौरा किया गया तथा ग्रामवासियों से मिलकर बहुजन समाज पार्टी की रीति-नीति व विचारधारा से अवगत करवाया गया। जिलाध्यक्ष प्रिंसिपल भजन सिंह घारू ने बताया कि इस अभियान के समापन पर बहुजन समाज पार्टी, श्रीगंगानगर की बैठक रायसिंहनगर में आयोजित की गई। इस बैठक में जिला कार्यकारिणी पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ-साथ विधानसभाओं के पदाधिकारी, जिला प्रभारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में बहुजन समाज पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी दी गई तथा आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रिंसिपल भजन सिंह घारु ने की तथा मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव व संभाग प्रभारी प्रेम नायक थे। सर्वप्रथम संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किए गए।

इस मौके पर विचार-विमर्श के पश्चात् संगठन को और अधिक सक्रिय व मजबूत करने के लिए जिले की सभी 6 विधानसभाओं में विधानसभा प्रभारी तथा विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किए गए। जिलाध्यक्ष प्रिंसिपल भजन सिंह घारू ने बताया कि श्रीगंगानगर विधानसभा प्रभारी देवकरण नायक, सादुलशहर विधानसभा प्रभारी डॉ. राज मेहरा, सूरतगढ़ विधानसभा प्रभारी महेंद्र सिंह भादू, श्रीकरणपुर विधानसभा प्रभारी मामराज नायक, रायसिंहनगर विधानसभा प्रभारी रामलाल भातीवाला, तथा अनूपगढ़ विधानसभा प्रभारी डॉ. जसवंत सिंह मद्दू को बनाया गया है। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में श्रीगंगानगर विधानसभा अध्यक्ष सुरेश लोनीवाल व उपाध्यक्ष हीरालाल, श्रीकरणपुर विधानसभा अध्यक्ष सुभाष कुमार, सादुलशहर विधानसभा अध्यक्ष कमलेश कुमार, रायसिंहनगर विधानसभा अध्यक्ष किशन लाल पवार तथा नगर मण्डल महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता देवी को बनाया गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने सबको साथ लेकर पूर्व से और अधिक सक्रिय होकर संगठन एवं समाज हित में कार्य करने का विश्वास दिलाया।

इस अवसर पर नाथूराम, रामलाल जनागल, हुकमाराम कडेला, किशनलाल, हीरालाल, सोनू, रमेश, लालचंद, सुखदेव सिंह, बलराज पवार, मामराज नायक, सुभाष, सुरेश लुणीवाल, डीसी जोईया, रोशनलाल, कमलेश कुमार, महिला नेत्री सुनीता देवी सहित बहुजन समाज पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक के अंत में जिलाध्यक्ष प्रिंसिपल भजन सिंह घारू ने सबका आभार व्यक्त किया तथा 5 मार्च, बुधवार को जयपुर में होने वाली प्रदेश स्तरीय बैठक में अधिकाधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।

बस्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष के घर आईटी रेड

जनमार्ग न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में बस्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष और बिल्डर श्याम सोमानी के घर ढ्ढञ्ज की रेड पड़ी है। उनके जगदलपुर निवास और दफ्तर में रायपुर की टीम ने सुबह दबिश दी है। बताया जा रहा है कि टैक्स चोरी की शिकायत थी। सुबह से ही ढ्ढञ्ज की टीम दस्तावेजों की जांच कर रही है। करीब 10 से 12 अधिकारी पहुंचे हैं। हालांकि, स्थानीय टीम को इसकी जानकारी नहीं है। श्याम सोमानी बस्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष हैं। उनकी बस्तर में बीएमएस कंस्ट्रक्शन कंपनी है। साथ ही बस्तर मंडी के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वे इमली, महुआ जैसे वनोपज के बड़े व्यापारियों में से एक हैं। करीब सालभर पहले जगदलपुर के सराफा व्यापारी के घर ढ्ढञ्ज की रेड पड़ी थी। पारस ज्वेलरी शॉप और घर में ढ्ढञ्ज की टीम ने दबिश दी थी। आय से अधिक संपत्ति होने की शिकायत मिली थी। उस समय भी रायपुर की टीम ने कार्रवाई की थी।

वहीं 2 साल पहले जगदलपुर में खनिज विभाग के उप संचालक एसएस नाग के घर में भी रेड की कार्रवाई हुई थी।८ष्टक्च (एंटी करप्शन ब्यूरो) की टीम ने रेड की थी ।

नि :शुल्क स्वास्थ्य जांच व रक्तदान शिविर लगाया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। एक्टिव लाईफ फिजियोथैरेपी क्लिनिक के सफलतापूर्वक 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में समाजसेवा के क्षेत्र में नया आयाम स्थापित करते हुए संचालक फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. आदित्य अरोड़ा के नेतृत्व में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर संयोजक सुरेन्द्र चनाणी ने बताया कि जवाहरनगर स्थित एक्टिव लाईफ फिजियोथैरेपी क्लिनिक में लगाए गए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में जनरल एवं लेपरोस्कॉपिक सर्जन डॉ. सौरभ अग्रवाल तथा हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. आहम देसानी द्वारा 60 मरीजों की निःशुल्क जाँच कर उन्हें उचित परामर्श दिया गया। तत्पश्चात् लगाए गए रक्तदान शिविर का जिला शिक्षा अधिकारी राजेश अरोड़ा ने स्वयं रक्तदान कर शुभारम्भ किया तथा रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जरूरतमंद मरीजों का अनमोल जीवन बचाने के लिए अधिकाधिक लोगों को रक्तदान करने हेतु प्रेरित करने का आह्वान किया। रक्तदान शिविर में स्वास्तिक ब्लड बैंक की टीम द्वारा 35 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। इस मौके पर स्वास्तिक ब्लड बैंक समिति सचिव रविंद्र जैन ने डॉ. आदित्य अरोड़ा द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में की जा रही उल्लेखनीय सेवाओं की सराहना की तथा सफल आयोजन हेतु श्रीमती खुशबू, डॉ. आदित्य अरोड़ा, रक्तदान शिविर संयोजक वरिष्ठ समाजसेवी सुरेन्द्र चनानी, जिला शिक्षा अधिकारी राजेश अरोड़ा, डॉ. जगदीश अरोड़ा, डॉ. आकांक्षा, समाजसेवी राजकुमार अरोड़ा, नीरज कटारिया, रोबिन जग्गा, नरेश गुप्ता, क्लिनिक स्टाफ सहित समस्त रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

Rajasthan State Agricultural Marketing Board,
Division Sri Ganganagar

RajKaj No. : 13867348 Date :- 27/02/2025

NOTICE INVITING BID 08/2024-25

Bids for civil work under KUMS Srivijaynagar District Sri Ganganagar Rs. 3.74 Lakh are invited from interested bidders upto 12:00 Noon date 11.03.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://sppp.raj.nic.in)** of the state; and department website **http://agriculture.rajasthan.gov.in/rsamb.**

UBN : AGM2425WSOB00707

Raj.Samwad/C/24/12474 Executive Engineer

सेक्स सीडी कांड में भूपेश बघेल-विनोद-कैलाश की पेशी

❑ सीबीआई के बाद आरोपियों के वकील रख रहे अपना पक्ष, जांच एजेंसी बोली- हमारे पास इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस

जनमार्ग न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चर्चित सेक्स सीडी कांड केस में आज रायपुर कोर्ट में सुनवाई चल रही है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल, विनोद वर्मा और कैलाश मुरारका कोर्ट पहुंचे हैं। पिछली सुनवाई में सीबीआई ने अपना पक्ष रखा था। आज आरोपियों के वकील अपना पक्ष रख रहे है। चर्चित सेक्स सीडी कांड केस में यह दूसरी बार है, जब सभी आरोपी कोर्ट में हाजिरी देने पहुंचे हैं।पिछली सुनवाई के दौरान भूपेश बघेल कोर्ट में अपनी हाजिरी देकर विधानसभा रवाना हुए थे। 7 साल बाद रायपुर कोर्ट में सुनवाई चल रही है। सेक्स सीडी कांड केस में पिछली सुनवाई में रायपुर कोर्ट में भूपेश बघेल और विनोद वर्मा पेश हुए थे। सेक्स सीडी कांड केस में पिछली सुनवाई में रायपुर कोर्ट में भूपेश बघेल और विनोद वर्मा पेश हुए थे। पिछली सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी ने बताया था कि कोर्ट में सीबीआई बनाम कैलाश मुरारका और अन्य के विरुद्ध जांच पर बहस थी। सीबीआई ने बहस पूरी कर ली है। अब अभियुक्त के वकील बहस करेंगे। लगभग सभी आरोपी कोर्ट में पेश हुए हैं। सीबीआई ने इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस होने का दावा किया है।

अब जानिए क्या है सेक्स सीडी कांड केस ?

दरअसल, अक्टूबर 2017 में छत्तीसगढ़ में एक कथित सेक्स सीडी सामने आई थी। इसे कथित रूप से पूर्व मंत्री राजेश मूणत का बताया जा रहा था। रायपुर के सिविल लाइन थाने में इसका मुकदमा दर्ज हुआ। बाद में पुलिस दिल्ली से पत्रकार विनोद वर्मा को गिरफ्तार कर लाई थी। कांग्रेस इसे तत्कालीन सरकार की साजिश बताती रही। सितंबर 2018 में कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष भूपेश बघेल को भी गिरफ्तार किया गया था। उन पर साजिश रचने का आरोप था। भूपेश बघेल ने जमानत लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद कांग्रेस प्रदेश भर में भाजपा सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर गई। इस गिरफ्तारी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नया जोश दिया। नवंबर 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में जीतकर भूपेश बघेल मुख्यमंत्री बने थे। 2017 में छत्तीसगढ़ में एक कथित सेक्स सीडी सामने आई थी। इसे कथित रूप से पूर्व मंत्री राजेश मूणत का बताया गया था।

सेक्स सीडी कांड में किसे बनाया गया आरोपी ?

कथित सेक्स सीडी कांड केस में कोर्ट ने मुख्य आरोपी कैलाश मुरारका, पूर्व सीएम के मीडिया सलाहकार रहे विनोद वर्मा, भूपेश बघेल, विजय पांड्या, विजय भाटिया को बनाया गया है। इस केस के एक आरोपी रिंकू खनूजा की मौत हो चुकी है। मामले में सीबीआई ने 2018 में चार्जशीट पेश की थी, लेकिन इस पर आगे कोई सुनवाई नहीं हुई थी। अब रायपुर कोर्ट में सीबीआई की चार्जशीट पर बहस चल रही है।

सीबीआई ने रिंकू खनूजा को भी बनाया आरोपी

सीडी कांड को लेकर छत्तीसगढ़ में जमकर राजनीति हुई। इस मामले में सबसे अहम कड़ी श्याम नगर निवासी रिंकू खनूजा था। 6 जून 2018 को रिंकू ने खुदकुशी कर ली। उसकी मौत के बाद सीबीआई ने उसे आरोपी बनाया है। सीबीआई का दावा है कि अगस्त में रिंकू खनूजा और विजय पांड्या ने सीडी बनवाई। 14 अगस्त 2017 को रिंकू और विजय के साथ कैलाश मुरारका खुद फ्लाइट से मुंबई गए। वहां दो दिनों तीनों होटल में ठहरे। इस बीच तीनों मुंबई में मानस साहू के स्टूडियो गए। सीबीआई का दावा है कि मुंबई में सीडी देखी। सीडी कांड के सरकारी गवाह कारोबारी लवली खनूजा ने भी सीबीआई को बताया है कि 23 अगस्त को रिंकू ने इस संबंध में उनसे संपर्क किया था।

बोर्ड परीक्षा देने जा रहीं तीन छात्राओं की मौत

महाराजगंज में 100 की स्पीड में बोलेरो का टायर फटा, बेकाबू होकर पलटी, 11 गंभीर

महराजगंज (जनमार्ग न्यूज)। छात्राएं सुबह 7 बजे 10वीं की बोर्ड परीक्षा देने जा रही थीं। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई, जिससे आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। किसी तरह छात्राओं को गाड़ी से बाहर निकाला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल छात्राओं को जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने तीन छात्राओं को मृत घोषित कर दिया। हादसा बृजमनगंज थाना क्षेत्र के सिकंदरा जीतपुर स्थित पेट्रोल पंप के पास सुबह साढ़े सात बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के वक्त बोलेरो की स्पीड 100 से अधिक थी। ऐसे में टायर फटने से गाड़ी बेकाबू होकर पलट गई। मृतक छात्रा चांदनी पटेल के मौसा ने बताया- सभी छात्राएं समरधीरा स्थित पारस नाथ इन्टर कालेज में पढ़ती हैं। सुबह 7 बजे महेश राम अशोक कुमार इंटर कॉलेज में 10वीं की विज्ञान की परीक्षा देने जा रहीं थी। सेंटर घर से 15 किलोमीटर दूर है। सेंटर से 250 मीटर पहले हादसा हो गया। सभी छात्राएं पुरंदरपुर थाना क्षेत्र के समरधीरा, विशुनपुर, करमहा बुजुर्ग, करमहा गांव की रहने वाली हैं। सुबह हमें घटना के बारे में जानकारी मिली, इसके बाद हम मौके पर पहुंचे। जब तक हम वहां पहुंचे। तीन छात्राओं की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। बाकी को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। मृतक छात्रा प्रीति के पिता विनोद गुप्ता ने बताया कि सुबह बच्ची घर से पेपर देने के लिए निकली। कुछ देर बाद घटना के बारे में सूचना मिली। मैं जल्दी से घर से निकला और मौके पर पहुंचा। वहां पहुंचा तो वहां सिर्फ गाड़ी थी। बच्चों को अस्पताल भेज दिया गया था। अस्पताल पहुंचा तो पता चला बेटी की मौत हो चुकी है। गाड़ी की स्थिति बहुत खराब हो गई है। देख कर पता चल रहा गाड़ी बहुत ही स्पीड में रही होगी। एक गाड़ी 13 बच्चियों को बैठाया गया था। ड्राइवर की लगती से छात्राओं की मौत हुई है। मृतक छात्राओं की पहचान चांदनी (17), प्रति (17) और गायत्री (17) के रूप में हुई है। वहीं, नंदिनी (17), चांदनी (16), प्रियंका (17), रिमझिम (18), मनीषा (16), सोनी (18) और ड्राइवर रियाज गंभीर रूप से घायल हैं। चार छात्राओं की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। हादसे की सूचना मिलने पर डीएम अनुनय झा मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि परीक्षा देने जा रही छात्राओं का एक्सीडेंट हुआ है। तीन छात्राओं की मौत हो गई है।

चांदनी पटेल
मृतका
प्रीति

श्रीगंगानगर की बेटी की शादी में पहुंचे पीएम मोदी

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। श्रीगंगानगर निवासी गुरजीत सिंह बाजवा, सह आचार्य राजकीय महाविद्यालय सूरतगढ एवं डॉ. गुरविंदर कौर बाजवा, उप प्राचार्य नोजगे पब्लिक स्कूल की बेटी गुलशीन बाजवा की शादी में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने नवदम्पत्ति को आशीर्वाद दिया। यह शादी समारोह दिल्ली के होटल अशोक में संपन्न हुआ। श्री गंगानगर की बेटी गुलशीन बाजवा की शादी श्री सिद्धार्थ यादव (राष्ट्रीय प्रवक्ता बीजेपी व सुप्रीम कोर्ट में वकील) के साथ हुई है। श्री सिद्धार्थ यादव और राजनीतिक घराने से शहीद श्री सुखबीर सिंह यादव व डॉ सुधा यादव पूर्व लोकसभा सांसद व वर्तमान में बीजेपी के केन्द्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य के सुपुत्र हैं। इस शादी समारोह में देश के लोकप्रिय व यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी, उपराष्ट्रपति माननीय जगदीप धनकड़ जी, पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ जी कोविद ने पहुंचकर वर वधु को आशीर्वाद दिया और सुखद दांपत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। इसके अतिरिक्त बीजेपी के अध्यक्ष श्री जे पी नड्डा जी, केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी, श्री मनोहर लाल खट्टर जी, श्री अर्जुन राम मेघवाल जी, श्री रविशंकर प्रसाद, श्री सुधांशु त्रिवेदी, श्रीमती स्मृति इरानी, बांसुरी स्वराज, दिल्ली व हरियाणा के मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता व नायब सिंह सैनी, हरियाणा के राज्यपाल महोदय, मनजिंदर सिंह सिरसा सहित अन्य केन्द्रीय मंत्रियो व सांसद, पार्टी पदाधिकारियों, दिल्ली हरियाणा, बिहार, मध्य प्रदेश के मंत्रीगण, मीडिया से अंजना ओम कश्यप, चित्रा त्रिपाठी, रुबिका लियाकत, मानक गुप्ता, अमीश देवगन आदि, कानून व अन्य क्षेत्रों से जुड़ी प्रसिद्ध हस्तियों ने पहुंचकर नवविवाहित जोड़े को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की।

बच्ची को क्लासरूम में बंद किया

❑ टीचर ताला लगाकर घर चले गए, ड्राइवर ने रोने की आवाज सुनी तो पता चला, परिजनों ने निकाला

गुरुग्राम। गुरुग्राम में सदर बाजार स्थित राजकीय कन्या प्राथमिक स्कूल में प्राइमरी क्लास की एक बच्ची को कमरे में बंद करके टीचर घर चले गए। बच्ची क्लास में ही सो गई थी और टीचरों ने बिना देखे ही कमरे में ताला लगा दिया। बच्ची को घर ले जाने वाला रिक्शा ड्राइवर जब स्कूल पहुंचा तो उसे बच्ची नहीं मिली। ढूंढते हुए वह स्कूल के अंदर गया तो क्लास रूम से रोने की आवाज सुनाई दी। रिक्शा चालक दौड़कर उस कमरे के पास गया। उसने स्कूल के बाहर दुकान करने वाले आशु को मामले की जानकारी दी। इसके बाद आसपास के लोगों की मदद से ताला तोड़कर बच्ची को बाहर निकाला गया। घटना 1 मार्च की है, लेकिन अब इसका वीडियो सामने आया है।

बच्ची पटेल नगर की रहने वाली है और कक्षा 2 में पढ़ती है। सूचना पर बच्ची के परिजन भी मौके पर पहुंच चुके थे। परिजनों ने कहा कि यह टीचरों की बड़ी लापरवाही है, अगर उनकी बच्ची को कुछ हो जाता तो कौन जिम्मेदार होता।

उन्होंने हंगामा करते हुए स्कूल के टीचरों पर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना था कि बच्ची 2 घंटे तक अंदर फंसी रही वो काफी डर गई थी और रो भी रही थी। उसने अपने कपड़े भी निकाल लिए थे।

स्कूल टीचरों ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। उन्होंने बताया कि छात्रा अपनी कक्षा में ही सो गई थी। स्कूल में कोई भी सिक्योरिटी गार्ड मौजूद नहीं है। इसी वजह से स्कूल स्टाफ स्वयं ही कक्षाओं को ताला लगाकर चाबी स्कूल की देखरेख करने वाले एक दुकानदार को दे जाते हैं।

शिक्षा अधिकारी बोले- विभागीय कार्रवाई होगी

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी मुनीराम ने कहा, यह मामला कई दिन पुराना है। इसके बारे में स्टाफ से जवाब मांगा गया है। अगर किसी टीचर की लापरवाही निकलती है तो विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अभी बोर्ड की परीक्षा चल रही है और मैं स्कूलों का निरीक्षण कर रहा हूं। जल्द ही टीचरों से बात करूंगा।

प्रसव के बाद महिला की मौत, परिजनों का हंगामा

जनमार्ग न्यूज

बांका। बांका के रजौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक महिला ने बच्ची को जन्म दिया। लेकिन प्रसव के आधे घंटे बाद उसकी हालत बिगड़ गई। बौसी थाना क्षेत्र के डांडे गांव की रहने वाली प्रमिला देवी अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने रजौन के चकसफिया गांव आई थीं। सोमवार रात करीब 10 बजे उन्हें प्रसव पीड़ा हुई। परिजन उन्हें तुरंत रजौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। डॉक्टर ने जांच के बाद प्रमिला को प्रसव कक्ष में भर्ती किया। उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया। प्रसव के बाद प्रमिला को रक्तस्राव होने लगा। डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति देखते हुए भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन रास्ते में ही प्रमिला की मौत हो गई। बच्ची सुरक्षित है। आक्रोशित परिजन शव लेकर रजौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना मिलने पर थाना अध्यक्ष रवि कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे।

राम मंदिर को बम से उड़ाने की साजिश, संदिग्ध आतंकी अरेस्ट

2 हैंड ग्रेनेड मिले, मिल्कीपुर के घर में सर्च ऑपरेशन; मां बोली- जमात में गया था

अयोध्या (जनमार्ग न्यूज)। अयोध्या के राम मंदिर को हैंड ग्रेनेड से उड़ाने की साजिश थी। गुजरात एटीएस ने अब्दुल रहमान नाम के संदिग्ध आतंकी को फरीदाबाद (हरियाणा) से पकड़ा है। उसके पास से 2 हैंड ग्रेनेड बरामद हुए हैं। सूत्रों का दावा है कि सोशल मीडिया के जरिए उसके आतंकी संगठनों से जुड़े होने के सबूत भी मिले हैं। गुजरात एटीएस ने फरीदाबाद एसटीएफ और इंटेलिजेंस ब्यूरो की टीमों के साथ सोहना रोड के पाली इलाके में रविवार रात 4 घंटे सर्च ऑपरेशन चलाया। जांच के बाद एटीएस अब्दुल को अपने साथ गुजरात ले गई। अब्दुल का घर राम मंदिर से सिर्फ 36किमी दूर मिल्कीपुर में है। वह राम मंदिर की रेकी भी कर चुका था। ऐसे में यूपी एटीएस, आईबी और एलआईयू भी एक्टिव हुए हैं। सोमवार को गुजरात एटीएस की टीम मिल्कीपुर पहुंची। अब्दुल के घर में 2 घंटे सर्च ऑपरेशन चलाया। 4 घंटे तक पिता अबू बकर से पूछताछ होती रही। मां ने कहा- अब्दुल मौलानाओं के संपर्क में था। दिल्ली की जमात में शामिल होने गया था। फरीदाबाद कैसे पहुंचा, नहीं पता है। गांव मंजनाई के चमनगंज रोड पर अबू बकर का 600 स्क्वायर फिट का घर है। अब्दुल रहमान उनका बेटा है। इस गांव में करीब 200 घर हैं। यह मुस्लिम बस्ती है, यहां 5 घर जायसवाल बिरादरी के भी हैं। घर के बाहर चिकन शॉप है।

डकैत कुसुमा नाइन 44 साल बाद कफन में लौटी

औरैया/ जालौन (जनमार्ग न्यूज)। डकैत कुसुमा नाइन की मौत पर यूपी में दो दृश्य दिखे। जहां उसकी शादी हुई थी, वहां पर गम और जहां उसने नरसंहार किया, वहां पर खुशी का माहौल रहा। सोमवार को कुसुमा की ससुराल जालौन जिले के कुरौली में अंतिम संस्कार किया गया। चिता को मुखाग्नि पहले पति केदार उर्फ रूठे ने दी। उसकी मांग में सिंदूर भी भरा। कुसुमा का शव गांव पहुंचने पर हर कोई उसे देखने के लिए उतावला था। 1980 में घर से गई कुसुमा 44 साल बाद कफन में लौटी। अंतिम यात्रा में भी गांव में पुलिस फोर्स तैनात रही। गांव के रामकुमार बताते हैं कि कुसुमा नाइन की वजह से गांव का नाम हुआ। कोई डकैत गांव वालों को नहीं छेड़ता था। गांव का नाम रोशन करने वाली कुसुमा इतिहास बन गई। कुसुमा के सौतेले बेटे शैलेंद्र ने बताया कि मां की अंतिम इच्छा थी, उसका गांव में ही अंतिम संस्कार हो। अब बात उस गांव की, जहां कुसुमा ने नरसंहार किया औरैया के अस्ता गांव में कुसुमा नाइन ने जहां 12 लोगों को गोलियों से भून दिया था, वहां जश्न का माहौल है। यहां कुसुमा की मौत की खुशियां मनाई गईं। घी के दीये जले और मिठाई बांटी गई। गांव में हर कोई खुश था। गांव की बहू सुमन ने बताया- कुसुमा के कारण पूरा गांव आतंक में रहा, वरना यहां के लोग भी पढ़ते-लिखते। घटना के समय मेरे पति एक महीने के थे। पिता की हत्या के बाद वह पड़ाई नहीं कर सके। डर की वजह से गांव के कई घर पलायन कर गए। कुसुमा की मौत से पूरा गांव खुश है। गांव की ही लज्जावती कहती हैं कि तड़प-तड़प कर मरी। ऐसे ही पूरा गांव तड़पा था। बता दें, कुसुमा नाइन की शनिवार को लखनऊ के केजीएमयू में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। वह 2 साल से बीमार चल रही थी। उसको टीबी की बीमारी थी।

साल 2004 में सरेंडर करने के बाद से वह इटावा जेल में बंद थी। जालौन में कुसुमा को मुखाग्नि उसके पहले पति केदार उर्फ रूठे ने दी। केदार ने बताया कि उसका यह जन्म तो ऐसे ही चला गया। अगला जन्म सही रहे, इसलिए विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया। बचपन... प्रधान के घर जन्म, पिता के रुतबे का घमंड नहीं 1964 में यूपी के जालौन जिला मुख्यालय से 65 किमी दूर टिकरी गांव में कुसुमा नाइन का जन्म हुआ। उसके पिता गांव के प्रधान थे। साथ ही सरकारी राशन की दुकान भी चलाते थे। घर में पैसे की कोई कमी नहीं थी। कुसुमा परिवार की इकलौती बेटी थी। इसलिए सभी उसको बहुत लाड़-प्यार करते थे। उसके परिवार में मां-पिता और चाचा थे। गांव के लोगों की भी कुसुमा लाडली थी। सबको चाचा-ताऊ कहकर बुलाती थी। पूरा गांव उसके लिए परिवार जैसा था। गांव की महिलाएं उसके बाल बनातीं, अपने हाथों से खाना खिलातीं। 5 साल की उम्र में पिता ने कुसुमा का दाखिला गांव के एक स्कूल में करवा दिया था।

संभल जामा मस्जिद मामले की सुनवाई 10 मार्च को

प्रयागराज (जनमार्ग न्यूज)। संभल की शाही जामा मस्जिद विवाद पर मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल इस केस की सुनवाई की। एएसआई की तरफ से बताया गया कि कोर्ट के आदेश पर साफ सफाई हो रही है। मस्जिद कमेटी ने भी एएसआई की रिपोर्ट पर आपत्ति दाखिल की। एएसआई भी इस पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय मांगा। अब 10 मार्च को सुनवाई होगी। कोर्ट ने अगली डेट पर यह भी स्पष्ट करने को कहा है कि संभल की मस्जिद जामा मस्जिद के नाम से है अथवा जामी मस्जिद या जुमा मस्जिद। बहस जामा मस्जिद के नाम पर हो रही है। दावा में जामी मस्जिद का उल्लेख है और एग्रीमेंट में जुमा मस्जिद है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में पिछली सुनवाई 28 फरवरी को हुई थी। आर्कियोलॉजी सर्वे ऑफ इंडिया यानी एएसआई को जामा मस्जिद की साफ सफाई कराने का निर्देश दिया था। रंगाई-पुताई की मुस्लिम पक्ष की अपील को खारिज कर दिया था।

आरटीआई एक्टिविस्ट पर रेप का आरोप लगाया, फिर बयान बदला

भोपाल में दुष्कर्म, केस मऊगंज में दर्ज कराया; बोली- किसी के कहने पर नाम लिखवाया

जनमार्ग न्यूज

भोपाल। भोपाल के रवींद्र भवन की पार्किंग में 15 साल की नाबालिग से रेप के मामले में भोपाल पुलिस ने नया खुलासा किया है। श्यामला हिल्स पुलिस का दावा है कि ल?की ने किसी व्यक्ति के कहने पर आरोप लगाया है। वहीं जिस भगवान सिंह पर रेप का आरोप लगा है, उसने खुद को आरटीआई एक्टिविस्ट बताया है। भगवान सिंह ने वीडियो जारी कहा- मैंने बीयू यूनिवर्सिटी की धांधली से लेकर जयश्री गायत्री फूड्स की शिकायत की थी। षड्यंत्र के तहत उसे फंसाने के लिए बच्ची को टूलकिट बनाया है। भोपाल के डीसीपी जोन-2 रियाज इकबाल ने बताया कि फरियादी पक्ष 1 मार्च को मऊगंज पुलिस के पास शिकायत दर्ज करने पहुंचा था। शिकायत संदिग्ध लगने के बाद वहां की पुलिस ने उन्हें भोपाल भेजा। भोपाल की श्यामला हिल्स पुलिस ने काउंसलरों की मौजूदगी में बच्ची के बयानों को दर्ज किया। इसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई।

भोपाल में मजदूरी करते हैं नाबालिग के पिता: एएसपी मऊगंज अनुराग पांडेय ने बताया, मऊगंज में जीरो पर स्त्रद्बक्र दर्ज करने

के बाद केस डायरी सोमवार को भोपाल ट्रांसफर कर दी है। श्यामला हिल्स पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मऊगंज पुलिस के मुताबिक नाबालिग के पिता भोपाल में मजदूरी करते हैं। रवींद्र भवन में लोकरंग महोत्सव के समय उनके परिचित की दुकान लगी थी। पिता ने बताया कि परिचित मदद के लिए बेटी को साथ ले गए थे। वहां भगवान सिंह आया। भीड़ ज्यादा थी, उसने बेटी को पहले बहलाया-फुसलाया और फिर पार्किंग में ले जाकर दुष्कर्म किया। आरोपी ने बेटी को जान से मारने की धमकी भी दी। बेटी की तबीयत बिगड़ने पर जब डॉक्टर के पास ले गए, तब मामले का खुलासा हुआ। श्यामला हिल्स थाने पहुंचे तो सुनवाई नहीं की गई। इसके बाद बेटी को मऊगंज भेज दिया, जहां मामला दर्ज कराया गया।

आरटीआई एक्टिविस्ट बोला- रसूखदार फंसा रहे: इस बीच, सोमवार (3 मार्च) को आरोपी भगवान सिंह का एक वीडियो सामने आया है। इसमें उसने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि मैं सामाजिक कार्यकर्ता और आरटीआई एक्टिविस्ट हूं। जन कल्याणी कार्यों के चलते कई लोगों से रंजिश है। साजिश के तहत फंसाया जा रहा है। थाने में जिस समय घटना होने की बात की गई है, तब शाम 4 बजे मैं ईडी ऑफिस में और 7 बजे 7 नंबर स्टॉप पर था।

पहले भी हो चुकी है मारने की कोशिश: भगवान सिंह ने वीडियो में बताया कि मुझे मारने के लिए पहले भी कोशिश की जाती रही है। मैंने बीयू यूनिवर्सिटी में की जाने वाली धांधली को लेकर नरेंद्र त्रिपाठी और जयश्री गायत्री फूड्स के मालिक की शिकायत की थी। अब षडयंत्रकारी लोग दलित बच्ची को टूलकिट बनाकर मुझे क्राइम में धकेल रहे हैं। मुझे फंसाने की साजिश समय-समय की जाती है। भोपाल पुलिस के अधिकारियों को एसआईटी बनाना चाहिए। निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तो सच सामने आ जाएगा।

हरियाणा पुलिस की बढ़ेगी ताकत: 153 जवानों की ट्रेनिंग पूरी

आज होगी पासिंग आउट परेड, आधुनिक हथियारों से रहेंगे लैस

जनमार्ग न्यूज

गुरुग्राम। गुरुग्राम के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर भोंड़सी में 153 पुरुष रिक्रूट सिपाहियों की पासिंग आउट परेड आज होनी है। खास बात ये है कि पुलिस के ये जवान आर्मी में रह चुके हैं और इन्हें मॉडर्न हथियारों, कम्प्यूटर और एआई की विशेष ट्रेनिंग दी गई है। इस परेड की सलामी सीनियर आईपीएस व मानवाधिकार महानिदेशक अजय सिंघल लेने आ रहे हैं। भोंडसी पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में कार्यरत अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक चारू बाली ने बताया कि पासिंग आउट परेड के लिए सभी रिक्रूट सिपाही पूरी तरह तैयार हैं। प्रशिक्षण में इन सिपाहियों को कानून ड्रिल, कम्प्यूटर, चुनाव डयूटी, हथियारों व बिना हथियारों के आत्मरक्षा का प्रशिक्षण, यंत्रों के बारे में जानकारी, फायर फाइटिंग, भीड़ प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा और प्राकृतिक आपदा प्रबंधन के विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इन्हें योगा, स्मार्ट पुलिसिंग, कम्युनिटी पुलिसिंग, मानव अधिकार, जेंडर तथा मानव व्यवहार आदि के संबंध में प्रशिक्षित किया गया है, जो नागरिकों की सुरक्षा पुलिस के रूप में समाजसेवा और सभी विषयों में पूरी तरह तैयार रहेंगे। इन सिपाहियों को प्रशिक्षण केन्द्र में बेहतर प्रशिक्षण दिया गया है जिससे हरियाणा पुलिस की ताकत और ज्यादा बढ़ेगी।

घरों के गदे पानी की पाइप बंद होने से गली में फैला पानी, लोग हो रहे परेशान

घरों का गदा पानी निकलने वाले धनाट्य लोग नहीं दे रहे ध्यान

जनमार्ग न्यूज

चूनावढ। कस्बे के वार्ड नंबर 12 में घरों के गंदे पानी को निकालना के लिए डाली गई पाइप बंद होने से चेंबर ओवरफ्लो होकर गंदा पानी गली में फैलने से लोग परेशान हो रहे हैं इस गंदे पानी से गली में कीचड़ फैल गया है जिससे आमजन परेशान हो रहे हैं यह गली गांव की मुख्य सड़क से पीपल वाली गली में धनाढ्य लोग रहते हैं इनके घरों का मल मूत्र व गंदा पानी निकालने के लिए गंदे पानी के जोहड़ में पाइप डाली हुई है जो कि पिछले 15 दिनों से पाइप बंद होने के कारण चेंबर ओवरफ्लो होकर गली में गंदा पानी फैलने से लबालब किचड फैला हुआ है इस गली में लोगों का निकलना दुभर हो गया है वहीं गंदा पानी गली में सडाध मारता है जिससे आमजन परेशान हैं वहीं इस गंदे पानी से मच्छर पनप रहे हैं जिससे बीमारियां फैलने की अशंका बनी हुई है वहीं आसपास के घरों के लोगों का जीना मुश्किल हो रहा है पशुओं वाले पानी के जोहड़ को गंदे पानी का गटर का रूप दिया जा रहा है जिससे पशुपालकों को भी बेहद परेशानी झेलनी पड़ रही है गंदे जोहड़ के आसपास रहने वाले घरों के परिवारों को भी भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है जिससे लोगों में भारी रोष व्याप्त है मोहल्ला वासी सुखदेव सिंह गुरनाम सिंह काला सिंह पंकज कुमार सनी जसवीर सिंह सतपाल सिंह सहित अन्य लोगों ने प्रशासन से समस्या का समाधान करने की मांग की है ।

भाविप का नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर 9 मार्च को

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भारत विकास परिषद, प्रताप शाखा, श्रीगंगानगर द्वारा तृतीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन 9 मार्च, रविवार को प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तक महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय नं. 6, जाट धर्मशाला के पीछे, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर में किया जाएगा। शिविर प्रभारी सुभाष धींगड़ा व ताराचंद खत्री ने बताया कि प्रथम निःशुल्क नेत्र जांच शिविर 16 फरवरी, रविवार को हनुमान धाम धर्मशाला में तथा द्वितीय शिविर 23 फरवरी, रविवार को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय इंदिरा चौक पर लगाया गया था, जिसमें 177 व्यक्तियों की नेत्र जांच की गई तथा 49 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयनित हुए, जिनका ऑपरेशन जगदंबा नेत्र चिकित्सालय में किया गया। जरूरतमंद मरीजों को आई ड्रॉप्स भी निःशुल्क प्रदान किए गए। अध्यक्ष चंद्रेश जैन तथा सचिव सीए धीरज कुमार लीला ने बताया कि तृतीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में श्री जगदम्बा धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय के अनुभवी डॉक्टरों की टीम द्वारा आँखों की निःशुल्क जांच की जाएगी तथा चयनित मरीजों का श्री जगदम्बा धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय में डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया जाएगा। इच्छुक नेत्र रोगी अधिक जानकारी के लिए शिविर प्रभारी सुभाष धींगड़ा (मो. 9414578618) तथा ताराचंद खत्री (मो. 9414094093) से सम्पर्क कर सकते हैं। भारत विकास परिषद प्रताप शाखा श्रीगंगानगर द्वारा समस्त शहरवासियों ने 9 मार्च, रविवार को प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तक महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय नं. 6, जाट धर्मशाला के पीछे, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर में आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया गया है।।

जिले को नशा मुक्त करने में सहयोग आवश्यक

- नशा मुक्त अभियान की समीक्षा बैठक में कलक्टर ने दिये निर्देश

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान की जिला स्तरीय बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने अभियान के तहत विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित की जा रही गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कहा कि श्रीगंगानगर को नशा मुक्त करने में सभी का सहयोग आवश्यक है। बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान को सफल बनाने के लिये शिक्षण संस्थाओं में विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी जागरूक किया जाये। नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करवाते हुए नशा करने वालों को नशा छोड़ने के लिये प्रेरित करें। विभागीय अधिकारी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नशा मुक्ति के लिये अधिकाधिक जागरूकता करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अभियान से आमजन के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों को भी जोड़ा जाये ताकि नशा मुक्ति की मुहिम को संबल मिल सके। नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत विभागवार हुई गतिविधियों और कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा नियमित रूप में मेडिकल स्टोर्स की जांच की जाये। अनियमितता मिलने पर संबंधित के खिलाफ आवश्यक नियमानुसार कार्यवाही करते हुए नशे में प्रयुक्त होने वाली दवाओं का रिकॉर्ड संधारित किया जाये। स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ पुलिस विभाग भी नशा छोड़ने के लिये गंभीरतापूर्वक प्रयास करें। ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर तक होने वाली समस्त गतिविधियों की नियमित रूप में समीक्षा की जाये। इस अवसर पर जयप्रकाश शर्मा द्वारा पीपीटी के माध्यम से अभियान के तहत अब तक हुई गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार, एडीएम सतर्कता श्रीमती रीना, प्रशिक्षु आईएएस रजत यादव, एएसपी श्रीमती सुधा पालावत, नगर विकास न्यास सचिव अशोक असीजा, जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती शिवा चौधरी, सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला, पीएमओ डॉ. दीपक मोंगा, गौरीशंकर, अमनदीप, वीरेन्द्र पाल सिंह, हरीश मित्तल, विजय कुमार, मनोज मोदी सहित अन्य मौजूद रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर की चर्चा

जनमार्ग न्यूज

चूनावढ़। स्थानीय भाजपा नेता राम प्रकाश घणघस के निवास स्थान पर मंगलवार को भारतीय किसान संघ चुनावढ तहसील के अध्यक्ष मास्टर ताराचंद कालडा करें नेतृत्व में स्थापना दिवस पर एकत्रित हुए इस बैठक में किसानों की समस्याओं व सिंचाई पानी को लेकर चर्चा की गई भारतीय किसान संघ संगठित होकर समस्याओं का निराकरण हेतु संघर्ष का आव्हान किया गया इस बैठक में राम प्रकाशघणघस, प्रमोद साहू ओम प्रकाश दौवन,मास्टर तारा चंद कालड़ा ,जसवंत चाहर महेंद्र सिंह सहित अन्य किसान मौजूद रहे अध्यक्ष ने बैठक में आए किसानों का आभार व्यक्त किया।

बेरोजगार छात्रों का भर्ती बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन का ऐलान

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। भारतीय जनता पार्टी सरकार की दो बजट घोषणा में बेरोजगारों के साथ किए गए धोखे के खिलाफ बेरोजगार छात्रों ने अब्दुल कलाम पार्क के पास बैठक में भर्ती बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन का ऐलान किया। बेरोजगार छात्र संघर्ष समिति संयोजक प्रमोद ज्याणी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राज्य सरकार 1 वर्ष में बजट घोषणाओं में व्याख्याता भर्ती 2202, वरिष्ठ अध्यापक भर्ती 2129, पटवारी भर्ती 2020 निकाली गई है। निकाली गई भर्तियों में व्याख्याता भर्ती 8 हजार, वरिष्ठ नमस्कार अध्यापक भर्ती 15 हजार, पटवारी भर्ती 5 हजार करने की मांग को लेकर 7 मार्च को बेरोजगार छात्र उपखंड कार्यालय पर प्रदर्शन करके मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देंगे। बैठक में संयोजक प्रमोद ज्याणी ने कहा बेरोजगारों के साथ हो रहे धोखे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा छात्रों के भविष्य को लेकर के बड़ा आंदोलन होगा। बैठक में हॉस्टल यूनियन के संरक्षक सोहन थोरी, अध्यक्ष कादीर खान, कोषाध्यक्ष विनोद झाझड़ा, पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह जोशन, बृजमोहन सेवटा, ओम प्रकाश सिहाग, महेंद्र कुमार, मांगीलाल बिश्नोई, महेंद्र कुमावत, शैलेंद्र सिंह ,रमजान खान ने छात्रों का समर्थन करते हुए विचार रखें।

हिमानी हत्याकांड में गिरफ्तार सचिन के चौंकाने वाले खुलासे

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की बाहरी जिला पुलिस और हरियाणा की सांपला पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर बहादुरगढ़ के सचिन (30) नामक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोबाइल एसेसरीज की दुकान चलाता है। फिलहाल सांपला पुलिस ने उसे अपनी गिरफ्त में ले लिया है। सांपला पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। कांग्रेस नेता हिमानी हत्याकांड में यह पहली गिरफ्तारी है। हत्यारे के पास से हिमानी का मोबाइल फोन और ज्वेलरी भी बरामद कर ली गई है। हरियाणा पुलिस सूत्रों ने दावा किया है कि हिमानी और सचिन एक दूसरे को करीबन एक साल से जानते थे। सचिन हिमानी से मिलने उसके घर भी जाता था और वहां रुकता था। पुलिस हत्या के कारणों को जानने के लिए लगातार पूछताछ कर रही है। सचिन ने कांग्रेस नेता की मोबाइल चार्जर के तार से गला घोंटकर हत्या की थी। हरियाणा की रोहतक के संपला कस्बे के बस स्टैंड पर एक बैग में एक मार्च को सुबह कांग्रेस नेता की बॉडी मिली थी। राहगीरों की नजर जब उस पर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची और बैग को खोला तो इसमें सूटकेस था। आरोपी बैग को बस में लेकर बस स्टैंड तक गया था। शुरुआती जानकारी मिली है कि बहादुरगढ़ के सचिन और हिमानी की एक साल पहले सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती हुई थी। इसके बाद हिमानी ने सचिन को घर बुलाया। दोनों के बीच संबंध बने। हिमानी ने संबंधों की वीडियो बना ली। इस वीडियो के जरिए हिमानी द्वारा सचिन को ब्लैकमेल करने की बात सामने आ रही है।

श्री राधा-गोविन्द सेवा संस्थान ने वृद्धाश्रम प्रभुजनों को नाश्ता करवाया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्री राधा-गोविन्द सेवा संस्थान ने अपना प्रथम सेवा कार्य का प्रारंभ ख्यालीवाला स्थित शकुंतला सदन वृद्धाश्रम में 10 बैडशीट व संस्थान में निवास कर रहे सभी प्रभुजनों के नाश्ते की सेवा के साथ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वैजयंती शर्मा, अध्यक्षता रेणु अग्रवाल व विशिष्ठ अतिथि के रूप में सुरेन्द्र शर्मा, कविता अग्रवाल, नीतू अरोड़ा, संतोष विजयवर्गीय, सुनीता अग्रवाल, सीमा, सुनीता गोयल उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता डॉ. पी.सी. आचार्य एवं डॉ. मुंजराल थे। इस अवसर पर श्री राधा-गोविन्द सेवा संस्थान श्रीगंगानगर के पोस्टर का विमोचन किया गया। रेणु अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में सभी बहनों एवं अतिथियों का श्री राधा-गोविन्द सेवा संस्थान की ओर से अभिनन्दन किया तथा शकुंतला सदन वृद्धाश्रम ख्यालीवाला का इस पुनीत अवसर पर सहयोग के लिए पूरी ट्रस्ट का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

डॉ. पी.सी. आचार्य जन सम्पर्क अधिकारी टांटिया यूनिवर्सिटी ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने सम्बोधन में संस्थान द्वारा किए जाने वाले सामाजिक सेवा कार्यो की जानकारी दी तथा संस्थान द्वारा किए गए कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

डॉ. मुंजराल ने मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती रेणु अग्रवाल एवं उनकी साथियों द्वारा वृद्धाश्रम में प्रभुजनों के लिए 10 बैडशीट एवं नाश्ते की सेवा करने के कार्य के लिए उनकी पूरी टीम को बधाई दी एवं आशा व्यक्त की कि संस्थान सामाजिक क्षेत्र में सेवा कार्यों में अपनी भागीदारी निभाता रहेगा।

मुख्य अतिथि वैजयंती शर्मा ने श्री राधा-गोविन्द सेवा संस्थान के गठन के पश्चात प्रथम सेवा कार्य के लिए संस्थान की संरक्षक रेणु अग्रवाल एवं उनकी टीम द्वारा इस वृद्धाश्रम को चुनने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पुनीत कार्य में उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है जिसके लिए मैं संस्थान की संरक्षक रेणु अग्रवाल व उनकी टीम के प्रति कृतज्ञता प्रकट करती हूं।

सत्संग भवन में लंगर लगाया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्री गुरु अर्जुन दास सत्संग भवन के संस्थापक एवं श्री रूद्र हनुमान सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गुरु अर्जुन दास जी द्वारा रविवार को सत्संग भवन में 631 वा लंगर लगाया गया। लंगर में केसर युक्त दूध वह देसी देसी घी से निर्मित हलवा (देग)के प्रसाद का श्री रुद्र हनुमान जी को भोग लगाकर वितरण किया गया। समिति द्वारा सेवाएं श्री गुरु अर्जुन दास, हुकुम देवी, संगठन मंत्री सतपाल कोर, अनुज मल्होत्रा, पंडित नरेश शर्मा, आशा रानी, सुभाष छाबड़ा, राजेश अंगी, एम डी सतीश, राजरानी, दिया, खुशी, निशा, मीकीं नवनीत मलोट, साहिल, देवेंद्र, संजू, नेते वाले महावीर प्रशाद जगतार सिंह, सिद्धू, पूनम, महेंद्र भटेजा, दक्ष अरोडा, चन्दन लावा, लखन लावा व अन्य सदस्यों द्वारा दी गई। सभी ने तन मन से सेवा दी। श्री गुरु अर्जुन दास जी महाराज द्वारा विश्वास को अभिव्यक्त किया गया और कहा गया कि विश्वास एक ऐसा भाव है जो आपको रिश्तों की मर्यादा के बारे में बताता है। यह एक ऐसा भाव है जो आपको जीवन जीना सिखाता है, इसी भाव के कारण ही मानव समाज के सामने अपने पक्ष को आसानी से रख पाता है।

खेलो इंडिया वुशू लीग में बेटियों का शानदार प्रदर्शन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। भारतीय खेल प्राधिकरण और राजस्थान वुशू संघ के तत्वावधान में श्रीगंगानगर में 1 से 2 मार्च तक आयोजित खेलो इंडिया वुशू महिला लीग में हनुमानगढ़ जिले की बेटियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए कुल 19 पदक जीते। इस उपलब्धि के साथ ही हनुमानगढ़ जिले की टीम ने राजस्थान में तीसरे स्थान की ट्रॉफी जीतकर जिले का नाम गौरवान्वित किया। हनुमानगढ़ जिले की प्रतिभाशाली बालिकाओं ने वुशू लीग में सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग में हिस्सा लिया और अलग-अलग भार वर्ग व इवेंट्स में 6 स्वर्ण, 5 रजत और 8 कांस्य पदक अपने नाम किए। इस प्रदर्शन ने जिले को खेल जगत में एक नई पहचान दिलाई है। हनुमानगढ़ जिला वुशू संघ के संरक्षक सुभाष बंसल और शिव शंकर खड़गावत, अध्यक्ष देवेंद्र अग्रवाल, जिला खेल अधिकारी शमशेर सिंह, ओम प्रकाश सेन, हेमंत गोयल, राजीव चौधरी, विक्रम सिंह तंवर, राजेश खीचड़, सुनील कामरा, सुधीर कासनिया, पदम सिंह सहित अन्य खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। कोच शंकर सिंह नरूका ने बताया कि यह सभी खिलाड़ी हनुमानगढ़ के राजीव गांधी स्टेडियम में नियमित अभ्यास करती हैं। उनकी मेहनत, समर्पण और अनुशासन के कारण ही यह शानदार उपलब्धि संभव हो सकी। खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच, परिवार और संघ के सदस्यों को दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें आगे भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले और देश का नाम रोशन करना है। इस सफलता के बाद हनुमानगढ़ जिले में खेलों को लेकर एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है। जिले के खेल प्रेमियों और स्थानीय प्रशासन ने भी इन बालिकाओं को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया है, ताकि वे आगे भी नए मुकाम हासिल कर सकें।

मार्च में गर्मी का असर तेज

जनमार्ग न्यूज

भोपाल। मार्च में गर्मी का असर तेज हो गया है। इंदौर-जबलपुर संभाग के शहरों में पारा 35 डिग्री के पार चल रहा है। सोमवार को सिवनी, खंडवा और खरगोन में तापमान 35 डिग्री से ज्यादा रहा। भोपाल-उज्जैन में भी सूरज के तेवर तीखे रहे। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार से पारे में 2 से 3 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

प्रदेश में मार्च की शुरुआत से ही मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। शुरुआती दिनों में ओले, बारिश और बादल वाला मौसम रहा तो अब सूरज के तेवर तेज होने लगे हैं। सोमवार को सिवनी में 35.8 डिग्री, खंडवा में 35.5 डिग्री और खरगोन में तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।

सांप्रदायिक ताकतें आज सत्ता पर कब्जा कर सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रही : छींपा

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। सीपीआईएम की तहसील कमेटी की बैठक आज सैन धर्मशाला में का. जवाहर छींपा की अध्यक्षता में हुई । इस मीटिंग में पर्यवेक्षक के रूप में माकपा के जिला सचिव वकील सिंह उपस्थित रहे। उपस्थित कॉमरेडो को अपने सम्बोधन में जिला सचिव ने कहा कि दुनिया के पर्यवेक्षक में देखे तो आज सम्राज्यवादी ताकते एक संगठित गिरोहों के रूप में अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहती है इस उदाहरण रूस यूक्रेन युद्ध है। इस सम्राज्यवादी ताकतों की शह पर ही ईज़रायल ने फिलिस्तीन युद्ध में जिस तरह से नरसंहार किया है वह घोर अमानवीय है। अगर हम अपने देश में देखे तो सांप्रदायिक ताकतों ने आज सत्ता पर कब्जा करके अपनी नीतियों को लागू करने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रही है। आज हमारे सामने महंगाई बेरोज़गारी के साथ ही सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ़ भी जन संघर्षों को मज़बूत करना होगा इसके लिए पार्टी कार्यकर्ता नए सिरे से जन आंदोलनों के निर्माण के लिए कार्य करे। माकपा के तहसील सचिव सखी मोहम्मद ने पार्टी कार्यकर्ताओं को अनुशासन में रह कर पार्टी की नीति रीति को ध्यान में रख कर कार्य करने को कहा। बैठक में मदन ओझा राजविंदर सिंह महावीर भोजक रिहान खान लक्ष्मण शर्मा विक्रम सिंह मुमताज़ खान वेदप्रकाश मुस्ताक खान राजेश कुमार टाक मानसिंह सोढा इत्यादि मौजूद रहे।

विद्युतीकरण के बाद भी नहीं चल पा रहीं ट्रेनें

● श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ रेलमार्ग पर अभी करना होगा इंतजार

जनमार्ग न्यूज

बीकानेर। बीकानेर मंडल के 1780 किलोमीटर लंबे रूट की सभी लाइनों का विद्युतीकरण होने के बाद भी अभी तक सूरतगढ़-अनूपगढ़ खंड और श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ खंड पर इलेक्ट्रिक से चलने वाली गाड़ियों के लिए 8 माह का इंतजार करना पड़ेगा। इसका मुख्य कारण यह है कि इस रूट पर ट्रेनें चलाने के लिए अभी तक ट्रैक के लिए बिजली सप्लाई करने वाले ट्रैक्शन सब स्टेशन (टीएसएस) का काम ही नहीं हुआ है। मंडल में श्रीगंगानगर के चक महाराज, सूरतगढ़-अनूपगढ़ खंड के कल्याणकोट और लालगढ़- फलौदी खंड के कोलायत में अभी तक टीएसएस का काम ही शुरू नहीं हो पाया है। बताया जाता है कि लालगढ़-फलौदी खंड में तो टीएसएस की

जमीन को लेकर कुछ कानूनी पेचीदगियां थीं। इस कारण यह काम अब तक नहीं हो पाया। रेलवे ने अब इस मुद्दे का निस्तारण कर लिया है। अब अक्टूबर तक यहां पर टीएसएस का काम पूरा हो जाएगा। वहीं कल्याणकोट में नवंबर माह जब टीएसएस बनकर तैयार होगा। इसके बाद इनके बिजली कनेक्शन का काम शुरू होगा। वहीं चक महाराज में टीएसएस पर तकनीकी खामी के चलते बिजली कनेक्शन नहीं हो पा रहा है। विदित रहे कि बीकानेर मंडल में सूरतगढ़- लालगढ़-फलौदी खंड में विद्युत इंजन से गुड्स ट्रेनें चलाई जा रही हैं। सूरतग?-भटिंडा खंड में पहले से ही सवारी गाड़ियां चल रही हैं। बीकानेर सूरतगढ़ खंड में सवारी गाड़ी चलाने की अनुमति प्रदान की गई है लेकिन अभी तक केवल एक पैसेंजर गाड़ी को ही चलाया जा रहा है। बीकानेर मंडल में लगभग 100 पैसेंजर ट्रेन और लगभग 75 मालगाड़ियां विद्युत इंजन से चल रही हैं। उपकरण प्रबंधन- ट्रैक्शन सब स्टेशन में विभिन्न प्रकार के उपकरणों का प्रबंधन किया जाता है। इसमें सुरक्षा प्रणाली और सुरक्षा उपकरणों का प्रबंधन भी शामिल होता है, जो इंजनों और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इतना ही नहीं ट्रैक्शन सबस्टेशन के अनुरक्षण और देखभाल का भी ध्यान रखा जाता है।

खुला बंदी शिविर से आजीवन कारावास का कैदी फरार

● शाम की हाजरी में नहीं मिला ● पुलिस ने दर्ज किया मामला

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ के टाउन में गांव कोहला के नजदीक स्थित गौशाला समिति में संचालित खुला बंदी शिविर में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहा कैदी फरार हो गया। फरार हुए सजायाफ्ता कैदी के खिलाफ टाउन पुलिस थाना में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। पुलिस के अनुसार जिला कारागृह के प्रहरी सतपाल सिंह (35) पुत्र तेजासिंह जटसिख निवासी वार्ड आठ, कुतुब बास डबली राठान पीएस सदर हनुमानगढ़ ने लिखित रिपोर्ट पेश करते हुए बताया कि आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे दण्डित कैदी पम्मा उर्फ परमजीत सिंह (49) पुत्र अजायब सिंह मजहबी निवासी भगतपुरा पीएस संगरिया को केन्द्रीय कारागृह बीकानेर से स्थानांतरण होने

पर खुला बंदी शिविर गौशाला समिति हनुमानगढ़ टाउन में 21 दिसम्बर 2024 से सजा भुगतने के लिए भिजवाया गया था। रविवार को सायंकाल हाजरी में कैदी पम्मा उर्फ परमजीत सिंह के उपस्थित नहीं होने पर उसके आवंटित आवास एवं बंदी खुला शिविर के क्षेत्र में तलाश करने पर भी पम्मा उर्फ परमजीत सिंह नहीं मिला। सजायाफ्ता कैदी पम्मा उर्फ परमजीत सिंह किसी समय खुला बंदी शिविर से फरार हो गया। पुलिस ने फरार हुए कैदी के खिलाफ बीएनएस की धारा के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर अनुसंधान एएसआई भागीरथ के सुपुर्द किया है।

सूने मकान से नकदी व जेवर चोरी

जनमार्ग न्यूज

अबोहर। अबोहर के सुभाष नगर में एक परिवार के हनुमानगढ़ जाने का फायदा उठाकर चोरों ने घर से नकदी और जेवरात चुरा लिए। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। पुलिस द्वारा पकड़े गए संदिग्ध से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार खंड देवी ने बताया कि वह अपनी दो बेटियों काजल और लक्ष्मी के साथ हनुमानगढ़ में रहने वाली बहन का हाल जानने गई थी। उनकी बहन का ऑपरेशन हुआ था। उनकी दो बहुएं भी अपने मायके गई हुई थी। शाम को पड़ोसियों ने फोन कर बताया कि उनके घर के ताले टूटे हुए हैं। जब परिवार वापस लौटा तो देखा कि कमरे में अलमारियों का सामान बिखरा पड़ा था।

पुलिस टीम पर हमला करने वाले आरोपी गिरफ्तार

● चोरी की जांच के दौरान भीड़ ने किया था पथराव

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ में चोरी की जांच के दौरान जंक्शन सिटी पुलिस टीम पर स्थानीय लोगों द्वारा हमला करने से जुड़े मामले में पुलिस ने तीन हमलावरों को गिरफ्तार किया है। एसपी अरशद अली के निर्देशन में मामले से जुड़े सभी वीडियो और अन्य तथ्यों को बारीकी से जांच करते हुए अन्य हमलावरों की पुलिस तलाश में जुटी हुई है। जंक्शन सीटी थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने बताया की घटना 1 मार्च को सुरेशिया पुलिस चौकी क्षेत्र में हुई। हैड कॉन्स्टेबल विजय सिंह जब वार्ड

नंबर 56 में जांच के लिए पहुंचे, तो विशाल बावरी से पूछताछ करने की कोशिश की। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाकर भीड़ जमा कर ली। स्थानीय लोगों ने पुलिस की जांच में बाधा डाली और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। थाने से अतिरिक्त बल भेजा गया, लेकिन भीड़ ने लाठी-डंडे लेकर पुलिस पर हमला कर दिया। आरोपियों ने पुलिस टीम पर पथराव किया और सरकारी वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। एसपी अरशद अली के निर्देश पर अतिरिक्त एसपी जनेश तंवर और डीएसपी मीनाक्षी के सुपरविजन में मामले की जांच शुरू की गई। घायल पुलिसकर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

खेत में 20 वर्षीय युवक ने खाया जहरीला पदार्थ

जनमार्ग न्यूज

चूरू। खेत में जहरीला पदार्थ खाने से 20 वर्षीय युवक की तबीयत बिगड़ गई। युवक ने परिवार के लोगों को वीडियो कॉल किया और जहर खाने की बात कही। तब परिवार के लोग खेत पहुंचे। युवक को निजी वाहन से गवर्नमेंट डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया। जहां युवक का इलाज जारी है। जानकारी में सामने आया है कि झुंझुनूं जिले के बाडेट गांव के 20 वर्षीय संदीप ने मंगलवार सुबह खेत में कीड़े मकोड़ों को मारने वाली जहरीला पदार्थ खा लिया। जिससे संदीप की तबीयत बिगड़ गयी। संदीप ने खेत से वीडियो कॉल कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। तब परिवार के लोग खेत पहुंचे संदीप को निजी वाहन से डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया। जहां उसका इलाज किया गया। अस्पताल में परिवार के लोगों ने बताया कि संदीप के परिवार ने सोमवार को शादी थी और मंगलवार को उसने यह काम कर लिया। फिलहाल युवक अस्पताल में भर्ती है। जहां उसका इलाज जारी है। अस्पताल प्रशासन के घटना की जानकारी अस्पताल चौकी को भी दी है।

एक ही दिन में दो बाइक चोरी, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ जंक्शन थाना क्षेत्र से दो बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। पहला मामला बाइपास रोड स्थित डिस्ट्रिक्ट पार्क के बाहर से और दूसरा सेक्टर 12 स्थित इलाके से सामने आया है। दोनों घटनाओं के संबंध में जंक्शन पुलिस थाने में अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए हैं, जिनकी जांच शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विनित सिहाग (24) पुत्र राजकुमार सिहाग निवासी मकान नम्बर ई-17-18, सेक्टर 6, जंक्शन ने पुलिस थाने में एक लिखित रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में उसने बताया कि वह अपनी बाइक पर सवार होकर बाइपास रोड स्थित डिस्ट्रिक्ट पार्क में गया था। वहां पार्क के बाहर अपनी बाइक खड़ी कर वह पार्क के अंदर चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसकी बाइक गायब थी। किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी बाइक चोरी कर ली थी। वहीं, दूसरे मामले में सुशील कुमार (26) पुत्र अनिल जाट निवासी वार्ड 13, सेक्टर 12, जंक्शन ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट में सुशील ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी बाइक चोरी कर ली, जो वह सेक्टर 12 इलाके में खड़ी कर गया था। दोनों मामलों की जांच क्रमशः एएसआई जयसिंह और एएसआई कालूराम द्वारा की जा रही है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली हड़पने का आरोपी गिरफ्तार

● 65 हजार नकद देकर 6.5 लाख का ट्रैक्टर-ट्रॉली ले गया था

● फाइनेंस की किश्तें भी नहीं भरीं

जनमार्ग न्यूज

रतनगढ़। पुलिस ने धोखाधड़ी के एक मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने डीडवाना जेल से प्रोडक्शन वारंट पर धोखाधड़ी के आरोपी असलम राणा को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने आरोपी को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। मामला पिछले साल अगस्त का है। गौरीसर निवासी नेमीचंद नायक ने कोर्ट के माध्यम से तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज करवाया था। इनमें गनेड़ी निवासी असलम राणा और समीर खान तथा कुमास निवासी मनोहरसिंह राठौड़ शामिल हैं। नेमीचंद

के अनुसार 23 अगस्त 2024 को उन्हें ट्रैक्टर बिक्री के संबंध में फोन आया था। अगले दिन असलम और मनोहरसिंह उनके पास आए। दोनों ने ट्रैक्टर और ट्रॉली की कीमत 7.5 लाख रुपए तय की। इसमें ट्रैक्टर के 6 लाख 4 हजार और ट्रॉली के डेढ़ लाख रुपए थे। आरोपियों ने फाइनेंस की बकाया राशि की जानकारी ली। नेमीचंद ने बताया कि 5 लाख 4 हजार रुपए फाइनेंस के बकाया हैं। आरोपियों ने एक लाख रुपए नकद देने और फाइनेंस की किश्तें भरने का वादा किया। उन्होंने तत्काल 65 हजार रुपए दिए और बाकी 35 हजार रुपए बाद में भेजने की बात कही। आरोपी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर चले गए। इसके बाद न तो उन्होंने वाहन लौटाया और न ही फाइनेंस की किश्तें जमा करवाईं। शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए असलम राणा को गिरफ्तार कर लिया है।

सरकारी भर्तियों को लेकर बेरोजगारों में रोष

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। राजस्थान सरकार द्वारा बजट घोषणाओं में निकाली गई व्याख्याता भर्ती, वरिष्ठ अध्यापक भर्ती और पटवार के पदों में बढ़ोतरी करने की मांग को लेकर सूरतगढ़ में बेरोजगारों ने आंदोलन करने का निर्णय लिया है। इसे लेकर सोमवार दोपहर को टैगोर कॉलेज के पीछे पार्क में बैठक की गई। जिसमें भर्तियों की संख्या को लेकर आक्रोश जताया गया। संयोजक और त्रिमूर्ति मंदिर मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमोद ज्याणी ने बताया कि व्याख्याता भर्ती को 8000 पद करने, वरिष्ठ अध्यापक भर्ती को 15000 पद करने और पटवार भर्ती को 5000 पद करने की बेरोजगारों की मांग है। जबकि इन पदों पर व्याख्याता के 2202 पद, वरिष्ठ अध्यापक के 2129 पद और पटवार के 2020 पदों पर विज्ञापन जारी किया गया है।

हनुमान मंदिर के बाहर से बाइक चोरी

● 10 मिनट के लिए दर्शन करने गए, लौटे तो वाहन गायब

जनमार्ग न्यूज

अनूपगढ़। अनूपगढ़ में चोरों का आतंक जारी है। सोमवार शाम को आरसीपी कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर के बाहर से एक और बाइक चोरी हो गई। राहुल जाट अपने पिता और बहन के साथ शाम को मंदिर में दर्शन के लिए आए थे। उन्होंने बाइक को मंदिर के बाहर खड़ी की थी। शाम 6.15 बजे जब वह मंदिर से बाहर निकले, तो बाइक गायब थी। राहुल ने बताया कि यह बाइक उनके दुकान के पार्टनर नानूराम के नाम पर है। उन्होंने पहले आसपास के इलाके में बाइक की तलाश की। बाइक नहीं मिलने पर अनूपगढ़ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। सूचना मिलते ही हेड कॉन्स्टेबल विनोद कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस जल्द ही चोर को पकड़ने का दावा कर रही है।

पुलिस को देखकर खेतों में भगाई लग्जरी कार

जनमार्ग न्यूज

जोधपुर। जोधपुर ग्रामीण की पुलिस ने ऑपरेशन भौकाल के तहत एक क्रेटा कार से 240 किलो अवैध डोडा पोस्त बरामद किया है। मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल उनसे मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क को लेकर पूछताछ की जा रही है। ग्रामीण एसपी राममूर्ति जोशी ने बताया कि पुलिस थाना कापरड़ा हल्का क्षेत्र के सड़क पर जिला विशेष टीम जोधपुर ग्रामीण और कापरड़ा थाना पुलिस ने संयुक्त नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान एक क्रेटा कार निकली। जिसे रुकने का इशारा करने पर चालक नाकाबंदी तोड़कर कार को भगाने लगा। इस पर डीएसटी टीम ने तत्परता दिखाते हुए क्रेटा कार के टायर ब्रस्ट कर दिए। इस पर चालक कार को सड़क किनारे छोड़कर अपने एक अन्य साथी के साथ खेतों के अंदर भागने लगा।

अनूपगढ़ की धान मंडी में सरसों की पहली ढेरी

जनमार्ग न्यूज

अनूपगढ़। अनूपगढ़ की धान मंडी में इस सीजन की पहली सरसों की ढेरी पहुंची। यह अगेती बिजाई की गई सरसों है। किसान बलविंदर सिंह ने बताया कि मौसम अनुकूल रहने और समय पर सिंचाई से फसल अच्छी हुई है। उन्होंने कहा कि जहां पर्याप्त सिंचाई मिली, वहां 5 से 6 क्विंटल प्रति बीघा उत्पादन की संभावना है। इस बार प्रति बीघा औसतन चार क्विंटल उत्पादन हुआ है। पहली ढेरी को गिल ट्रेडिंग कंपनी पर एमएल नागपाल इंडस्ट्रीज ने सबसे ऊंची बोली लगाकर खरीदा। सरसों में तेल की मात्रा संतोषजनक पाई गई है। व्यापार मंडल के पूर्व सचिव जसपाल जिंदल के अनुसार पिछले साल की तुलना में इस बार सरसों के बेहतर दाम मिलने की उम्मीद है।

ऊर्जादाता की भूमिका निभाएगा राजस्थान

● 1600 मेगावाट की थर्मल, 1500 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं होंगी स्थापित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने प्रदेश में सुदृढ़ प्रसारण तंत्र एवं थर्मल और अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इन दूरगामी निर्णयों से राजस्थान जल्द ही देश में 'ऊर्जादाता' की भूमिका में उभरेगा। उन्होंने कहा कि राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) तथा केन्द्र सरकार और तेलंगाना सरकार के उपक्रम सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के बीच संपादित हुआ एमओयू प्रदेश में बिजली उत्पादन एवं आपूर्ति की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड एवं राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के मध्य आयोजित समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ ही राजस्थान सौर ऊर्जा में अपार संभावनाओं वाले राज्य के रूप में उभर रहा है। जल्द ही राजस्थान ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के किसानों को 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में नीतिगत निर्णय लेते हुए उनका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित भी कर रही है। शर्मा ने कहा कि एमओयू के तहत 1600 मेगावाट क्षमता की थर्मल आधारित परियोजनाएं तेलंगाना में स्थापित होंगी। इसमें से 800-800 मेगावाट

बिजली तेलंगाना एवं राजस्थान दोनों राज्यों को मिलेगी। इसके अतिरिक्त राजस्थान में 1500 मेगावाट का सोलर पार्क स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए आरवीयूएनएल ने भूमि भी चिन्हित कर ली है। इस पार्क में लगभग 6 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। सभी परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 22 हजार करोड़ रुपये है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 में राजस्थान द्वारा 2030 तक 125 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हमने परंपरागत एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से 54 हजार मेगावाट से अधिक विद्युत क्षमता के लक्ष्य को वर्ष 2031-32 तक प्राप्त करने की दिशा में दूरगामी निर्णय लिए हैं। राज्य सरकार ने केंद्रीय उपक्रमों के साथ 10 मार्च 2024 को तथा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान कुल 2 लाख 28 हजार 800 करो? रुपये के निवेश समझौते किए। साथ ही, पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन तथा आरवीयूएनएल के मध्य 10 हजार करो? का निवेश एमओयू भी किया गया है। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि संबंधित पीएसयू, विभाग एवं एजेंसियां इन परियोजनाओं को जल्द पूरा कर प्रदेश और देश की बिजली जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राजस्थान की अपार सौर ऊर्जा एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित कर रही है।

तेज रफ्तार हाईवे पेट्रोलिंग गाड़ी कंटेनर से भिड़ी, चालक की मौत

❑ बैलेंस बिगड़ने पर डिवाइडर तोड़ा

जनमार्ग न्यूज

जोधपुर। जोधपुर-बिलाड़ा-अजमेर रोड पर खारिया-मीठापुर गांव के पास आज सुबह करीब 9 बजे एक तेज रफ्तार हाईवे पेट्रोलिंग की गाड़ी बेकाबू होकर डिवाइडर के दूसरे तरफ जाकर कंटेनर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पेट्रोलिंग व्हीकल आगे से पूरी तरह पिचक गया और इसके चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी अनुसार हाईवे पर स्थित टोल प्लाजा की गाड़ी का सहायक चालक महीराम मेघवाल (25) खारिया-मीठापुर इलाके में झुझली स्थित प्लांट से चालक और अन्य स्टाफ को लेने के लिए जा रहा था। खारिया मीठापुर गांव के पास हाईवे पेट्रोलिंग की गाड़ी का बैलेंस बिगड़ गया। गाड़ी डिवाइडर तोड़कर रोड के दूसरी तरफ सामने से आ रहे एक कंटेनर से जा

टकराई। इससे पेट्रोलिंग व्हीकल आगे से पूरी तरह पिचक गया और चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ ही देर में टोल स्टाफ व बिलाड़ा पुलिस भी मौके पर पहुंची। किसी तरह गाड़ी में फंसे चालक के शव को बाहर निकालकर बिलाड़ा हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक तौर पर हादसे के कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692